RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
37.0°C	29.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
5:44 AM	7:22 PM

दैनिक
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 05 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, सोमवार 20 जुलाई, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोनम वांगचुक को मेदांता शिफ्ट करने से किया इनकार, 24 जुलाई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से निजी अस्पताल मेदांता स्थानांतरित किए जाने की मांग पर फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में वांगचुक का इलाज सरकारी अस्पताल सफदरजंग में ही जारी रहेगा। कोर्ट ने उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो की याचिका पर केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। जस्टिस मिनी पुष्करणा की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि सोनम वांगचुक को स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय पूरी तरह कानून के दायरे में लिया गया था। अदालत ने यह भी कहा कि हर जीवन अनमोल है और वांगचुक के इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सोनम वांगचुक इलाज के दौरान डॉक्टरों का सहयोग करेंगे। यदि वह चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुरूप दवाएं लेने से इनकार करते हैं, तो डॉक्टर उनके स्वास्थ्य हित में आवश्यक उपचार उपलब्ध कराएंगे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सेहत को लेकर अंतिम निर्णय अस्पताल की मेडिकल टीम ही करेगी। साथ ही कहा गया कि सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं और ऐसा कोई आधार नहीं है जिससे यह कहा जा सके कि उन्हें जबरन दवा या इलाज दिया जा रहा है।

सीएम योगी ने यूपीएसडीएमए भवन का किया लोकार्पण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि आपदा प्रबंधन केवल सरकारी व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि जन-जागरूकता और समय रहते की गई तैयारी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रभावी अर्ली वार्निंग सिस्टम, बेहतर समन्वय और लोगों में जागरूकता के जरिए जन-धन की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। सीएम योगी ने लखनऊ में 200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बने उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) के नए मुख्यालय भवन का लोकार्पण करते हुए यह बात कही। लखनऊ के गोमती नगर विस्तार स्थित डायल-112 मुख्यालय के सामने शहीद पथ पर निर्मित उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) के नवीन मुख्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपदा के प्रति पहले से सतर्कता, तैयारी और जागरूकता ही जन-धन की हानि को न्यूनतम स्तर तक ला सकती है। इसे प्रत्येक नागरिक के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले परिवारों और स्कूलों में बच्चों को आग लगने, भूकंप आने या अन्य आपदाओं के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी जाती थी।

पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में निभा सकती है अहम भूमिका: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि इनोवेशन और वैश्विक साझेदारियों के जरिए पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभा सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लिखे गए आर्टिकल को साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल स्थानीय शिल्पों को बाजार तक पहुंच हासिल करने, स्थायी आजीविका सृजित करने, विरासत को संरक्षित करने और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में मदद कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि चेन्नई स्थित 'वस्त्रकला' इस बात का उदाहरण है कि फ्रांस जैसे देशों के साथ सहयोग भारतीय कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में कैसे मदद कर सकता है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में पेरिस में आयोजित एक निवेशकों की बैठक के दौरान भारत में फ्रांस के राजदूत ने 'वस्त्रकला' का जिक्र किया था। यह भारत-फ्रांस की साझेदारी का एक अनूठा उदाहरण है, जिसने फ्रांस की हाउट कूचर यानी उच्चस्तरीय फैशन कला को भारत की सदियों पुरानी कढ़ाई परंपरा के साथ जोड़ा है।

भारत लौटने के बाद वित्त मंत्री चेन्नई के निकट तिरुवल्लूर जिले के गुडापक्कम स्थित वस्त्रकला की कार्यशाला गई थीं।

वित्त मंत्री ने कहा कि कारीगरों की टीम के साथ दोपहर का भोजन करते समय उन्हें पता चला कि वस्त्रकला ने जानबूझकर अपनी पहली चेन्नई स्थित कार्यशाला को गुडापक्कम स्थानांतरित किया, ताकि पीढ़ियों से इन पारंपरिक कौशलों को संजोए हुए गांवों के लोगों तक उच्च मूल्य वाले रोजगार पहुंचाए जा सकें। यह मानो समय का पहिया उल्टा घूम गया हो। आमतौर पर युवा रोजगार के लिए गांवों से शहरों की ओर पलायन करते हैं, लेकिन यहां एक कंपनी ने शहर छोड़कर गांव में बसने का फैसला किया।

वित्त मंत्री ने बताया कि वस्त्रकला कांचीपुरम-श्रीपेरंबुदूर-तिरुवल्लूर के सूखा-प्रभावित क्षेत्र में स्थित है। उन्होंने कहा, 'पुराने समय में जब बारिश नहीं होती थी, तो खेती का काम रुक जाता था। जब हल चलना बंद हो जाता था, तब किसान सुई-धागा उठाकर सूती और रेशमी कपड़ों पर सुंदर कढ़ाई किया करते थे। अपनी रचनात्मकता के बल पर ग्रामीण सूखे की कठिनाइयों का सामना कर लेते थे। यह कला असाधारण धैर्य, बारीकी

और अनुशासन की मांग करती है, और ये गुण शुष्क क्षेत्रों के किसानों में भरपूर होते हैं।' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि पारंपरिक शिल्प और आधुनिक वैश्विक बाजार के बीच मजबूत सेतु तैयार किए जाएं, ताकि स्थानीय कारीगरों की प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल सके। उनका मानना है कि यदि पारंपरिक हस्तशिल्प को आधुनिक डिजाइन, तकनीक और वैश्विक मांग के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराए जाएं, तो यह क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है। उन्होंने कहा कि 'एक जिला, एक उत्पाद' जैसी पहल स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ कारीगरों की आय बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इससे छोटे उद्यमों, स्वयं सहायता समूहों और पारंपरिक शिल्प से जुड़े परिवारों को अपने उत्पादों के लिए व्यापक बाजार उपलब्ध हो रहा है। वित्त मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत की पारंपरिक कला और शिल्प केवल सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वे देश की आर्थिक प्रगति और निर्यात क्षमता को मजबूत करने का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में सदियों पुरानी हस्तकला और कढ़ाई की परंपराएं आज भी जीवंत हैं।

स्पेन फिर बना फुटबॉल का बादशाह, अर्जेंटीना को हराकर दूसरी बार जीता FIFA वर्ल्ड कप

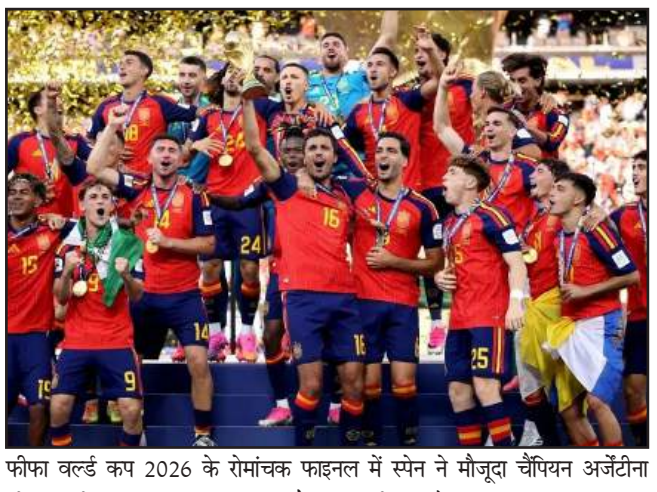

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के रोमांचक फाइनल में स्पेन ने मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं, जिसके बाद मुकाबला अतिरिक्त समय (एक्स्ट्रा टाइम) में पहुंचा। मैच का निर्णायक क्षण 106वें मिनट में आया, जब सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी *फेरान टॉरेस* ने शानदार गोल दागकर स्पेन को बढ़त दिलाई। अर्जेंटीना अंत तक इस बढ़त की बराबरी नहीं कर सका और स्पेन ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबले में स्पेन ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। मजबूत डिफेंस और तेज़ आक्रमण के दम पर स्पेन ने लगातार अर्जेंटीना पर दबाव बनाए रखा। टीम ने पूरे मैच में कुल 20 शॉट लगाए, जिनमें से 10 गोलपोस्ट के निशाने पर रहे। हालांकि शुरुआती प्रयासों में उसे सफलता नहीं मिली और एक गोल फाउल के कारण रद्द भी कर दिया गया। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ की शुरुआत में फेरान टॉरेस ने बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया। यही गोल मैच का फैसला साबित हुआ और स्पेन ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर अर्जेंटीना की टीम पूरे मुकाबले में अपने स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सकी। कप्तान लियोनेल मेसी भी स्पेन के मजबूत डिफेंस के सामने प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। स्पेन के गोल करने तक अर्जेंटीना एक भी शॉट गोलपोस्ट पर नहीं लगा पाया था। मैच के अंतिम क्षणों में अर्जेंटीना ने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन उसके तीनों प्रयास लक्ष्य से बाहर रहे। इसी कारण टीम लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने का सपना पूरा नहीं कर सकी। स्पेन की यह जीत कई मायनों में वर्ष 2010 की याद दिलाने वाली रही। तब भी स्पेन ने एक्स्ट्रा टाइम में एकमात्र गोल कर विश्व कप अपने नाम किया था। इस बार भी टीम ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल कर खिताब जीता।

मानसून सत्र में विपक्ष का सरकार पर हमला, राम मंदिर चढ़ावा, नीट पेपर लीक और महंगाई पर मांगेगा जवाब

नई दिल्ली। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने रविवार को कहा कि वे संसद के मानसून सत्र में केंद्र सरकार से कई अहम मुद्दों पर जवाब मांगेंगे। इनमें अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, नीट-यूजी पेपर लीक का मामला और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को उनकी इच्छा के खिलाफ अस्पताल में भर्ती कराने का मुद्दा प्रमुख रूप से उठाया जाएगा। आईएएनएस से बात करते हुए कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा, 'हम निश्चित रूप से कई मुद्दे उठाएंगे। इनमें छात्रों से जुड़े मुद्दे, राम मंदिर में चोरी और बढ़ती महंगाई जैसे मामले शामिल हैं। सरकार लोगों की चिंताओं को न तो देखती है और न ही सुनती है। महंगाई बढ़ रही है। पेट्रोल की कीमतें बढ़ाई गई हैं लेकिन सरकार अपनी नीति के बारे में कुछ नहीं बता रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'इथेनॉल के मुद्दे पर एक्सपर्ट्स कुछ भी समझाने में असमर्थ हैं और इसका खामियाजा कंज्यूमर्स को भुगतना पड़ रहा है।' केंद्र द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 'मेरा मानना है कि आज देश के सामने कई ऐसे मुद्दे हैं, जो सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले बिलों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। विपक्ष लगातार मांग करता रहा है कि संसद में इन मुद्दों पर चर्चा हो और सरकार इनका जवाब दे।' उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में सरकार से 'संवेदनशीलता' दिखाने को कहा। इस मामले पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक संयुक्त पत्र लिखा है। उन्होंने कहा, 'हम छात्रों के साथ हो रहे अन्याय और देश भर में हो रहे विभिन्न विरोध प्रदर्शनों को भी देख रहे हैं, फिर भी सरकार की ओर से कोई जवाबदेही नहीं है।' कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि वे विभिन्न विपक्षी दलों में हो रहे दलबदल की ओर भी केंद्र का ध्यान आकर्षित करेंगे। उन्होंने आईएएनएस से कहा, 'मूल मुद्दा यह है कि

2024 में लोगों द्वारा दिया गया जनादेश और लोकसभा की वर्तमान संरचना बहुत अलग है। इसलिए संसद को सबसे पहले बड़े पैमाने पर हो रहे दलबदल के मुद्दे पर विचार करना चाहिए। यह दलबदल किसी वैचारिक मतभेद, नीतिगत असहमति या बुनियादी मुद्दों के कारण नहीं, बल्कि केवल अवसरवाद के कारण हुआ है।' उन्होंने कहा, 'संसद को बाकी सब कुछ छोड़कर सबसे पहले इस बात पर चर्चा करनी चाहिए कि इस दलबदल को कैसे रोका जाए।' सर्वदलीय बैठक के बाद आईएएनएस से बात करते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, 'हमने अपनी पार्टी की ओर से कई मुद्दे उठाए हैं और मांग की है कि सरकार इन मामलों को सदन में चर्चा के लिए लाए। हमें उम्मीद है कि सदन हमारे नोटिस पर चर्चा की अनुमति देगा।' भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए सीपीआई-एम नेता हन्नान मोल्लाह ने इसे 'भ्रष्टाचार, घोटालों, लोकतंत्र-विरोधी गतिविधियों और लुटेरों' की सरकार बताया।

चाकू मारकर हत्या की कोशिश का मामला 14 घंटे में सुलझा, चार आरोपी पकड़े

नई दिल्ली। वेलकम थाना पुलिस ने हत्या की कोशिश के एक मामले का 14 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए चार आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों में एक नाबालिग भी है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया खंजरनुमा चाकू भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 16 जुलाई को दोपहर के समय वेलकम थाना पुलिस को कबीर नगर के सी ब्लॉक, गली नंबर-6 में चाकूबाजी की सूचना मिली।

जांच में पता चला कि कुछ युवकों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया था। घायल को तुरंत जग प्रवेश चंद्र अस्पताल (जेपीसी) में भर्ती कराया गया। घायल की पहचान 24 वर्षीय मोहम्मद साजिद के रूप में हुई, जो कबीर नगर का रहने वाला है। साजिद ने पुलिस को बताया कि चार लोगों ने उस पर चाकू से हमला किया था। उसके बयान के आधार पर वेलकम थाने मे हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

दोपहिया वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार, आठ बाइकें बरामद

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस को वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में सफलता हाथ लगी है। थाना बिसरख पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी की आठ मोटरसाइकिलें तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नोएडा, ग्रेटर नोएडा के अलावा दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों से मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें ठिकाने लगाने का काम करते थे। 18 जुलाई को थाना बिसरख पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर विशेष अभियान चलाया। इस दौरान गौर सिटी-2 स्थित 10 थे एवेन्यू की सर्विस रोड से दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में उनकी पहचान अलीगढ़ निवासी कुशलवीर और बिसरख निवासी सनी के रूप में हुई। तलाशी के दौरान कुशलवीर के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: आरोपी टिन्नू यादव और मनीष यादव से पूछताछ जारी, मंदिर ले जाया गया

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस की जांच जारी है। पुलिस ने मुख्य आरोपी रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू' और उसके भतीजे मनीष यादव से 39 घंटे की कस्टडी रिमांड के दौरान गहन पूछताछ की है। पुलिस ने कोर्ट से 39 घंटे की रिमांड ली थी, जिसके बाद शनिवार सुबह करीब 8 बजे दोनों आरोपियों को पुलिस कस्टडी में ले लिया गया। पुलिस रविवार सुबह करीब 3 बजे रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू' और मनीष यादव को उनके घर ले गई। जांच अधिकारी रामशंकर यादव को उसी समय के आसपास राम जन्मभूमि परिसर भी ले गए। पुलिस लाइन्स में दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है।

जांच अधिकारी आशुतोष तिवारी घटनाक्रम को फिर से समझने और जांच के शुरुआती चरणों में मिले सबूतों की पुष्टि करने के लिए पूछताछ कर रहे हैं।

पूछताछ में सामने आई जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर के दान पेटियों की सभी चाबियां कथित तौर पर रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू' के पास बिना किसी आधिकारिक अनुमति के रखी हुई थीं। पूछताछ में ट्रस्ट के एक सीनियर सदस्य की भूमिका का भी पता चला है, जिसने कथित तौर पर बिना किसी आधिकारिक प्रक्रिया के दान पेटी की चाबियां टिन्नू को सौंप दी थीं।

अमित शाह ने कोलकाता में 'म्यूजियम ऑफ वर्ड' का किया उद्घाटन, बोले- भाषा के बिना संस्कृति अधूरी

कोलकाता। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में नेशनल लाइब्रेरी और नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम द्वारा बनाए 'म्यूजियम ऑफ वर्ड' के पहले फेज का लोकार्पण किया। इस दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान की इसी मूल कमी को कोलकाता का ये संग्रहालय (म्यूजियम ऑफ वर्ड) पूरा करेगा, इसका मुझे पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश या प्रदेश की संस्कृति की अभिव्यक्ति भाषा के बिना संभव ही नहीं हो सकती और भाव से उत्पन्न शब्दों के बिना भाषा बन ही नहीं सकती। जब तक हमारी आने वाली पीढ़ियां यह नहीं जानेंगी कि भाषा शब्दों से बनती है, शब्द भाव से उत्पन्न होते हैं और भाषा के माध्यम से संस्कृति की अभिव्यक्ति होती है, तब तक इस देश का सांस्कृतिक पुनरुत्थान संभव नहीं हो सकता। आज देशभर की भाषाओं और संस्कृति के लिए बहुत बड़ा दिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का जो संकल्प लिया है, उस दिशा में आज महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया गया। उन्होंने कहा कि आज एक

प्रकार से देशभर की भाषाओं और देश की संस्कृति के लिए बहुत बड़ा दिन है। क्योंकि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का जो संकल्प लिया है, उसका महत्वपूर्ण पड़ाव आज पार कर रहे हैं। किसी भी देश की और किसी प्रदेश की संस्कृति भाषा के बिना संभव हो ही नहीं सकती और भाव से उत्पन्न शब्दों के बगैर भाषा बन ही नहीं सकती है। अमित शाह ने कहा कि जब पाणिनि ने व्याकरण की रचना की, तब उनके एक शिष्य ने पूछा कि इतना बड़ा व्याकरण का ढांचा बनाने का उद्देश्य क्या है? तब पाणिनि ने कहा था- मनुष्य के भाव से शब्द की उत्पत्ति होती है, व्याकरण शब्दों को बांधता है, शुद्ध और भावपूर्ण उच्चारण वाक्य को अर्थ देता है, और अर्थयुक्त वाक्यों का समूह भाषा की संरचना करता है। यही भाषा सदियों तक संस्कृति की वाहक बनकर समस्त जीवों का कल्याण करती है। परंतु हमारी जो विरासत है, उसे आगे बढ़ाने में किसी को कोई शर्म नहीं आनी चाहिए, लेकिन हमारे विशाल विचारों की व्याख्या ऐसी कर दी गई कि हम दूसरों में ही गौरव करते चले गए और अपने विचारों को भूल गए। उन्होंने कहा कि ये 'शब्द संग्रहालय' हमारी भाषाओं और संस्कृति से चिरकाल तक आने वाली पीढ़ियों को परिचित कराएगा, शिक्षित करेगा और उन्हें जीवन जीने का तरीका भी सिखाएगा।

संपादकीय

बेहरोज में विकास कार्यों का लोकार्पण, विधायक ललित यादव ने क्षेत्र को दी नई सौगातें

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

मुंडावर। मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेहरोज में रविवार को विधायक ललित यादव ने लगभग 15 लाख रुपये की लागत से कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक ललित यादव का स्वागत करते हुए बजट लेखानुदान में राजकीय विद्यालय के लिए स्वीकृत दो नए कमरों के लिए आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसकी पूर्ति होने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकेंगी। ग्रामीणों ने विधायक की अनुशंसा पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 80 लाख रुपये की लागत से निर्मित की जा रही पुलिया के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस पुलिया के निर्माण से आवागमन की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और बरसात के दिनों में लोगों को राहत मिलेगी।

मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ लगे मुर्दाबाद के नारे

रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के बन्दा गांव में शनिवार को शिक्षा मंत्री एवं स्थानीय विधायक मदन दिलावर के दौरे के दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। नगर निगम की गौशाला में सांड के हमले में जान गंवाने वाले गोपाल भील के परिवार को अनुकंपा सहायता दिलाने की मांग लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने मंत्री से मुलाकात की कोशिश की। इसी दौरान एक युवक के वीडियो बनाने पर मंत्री के निजी सहायक ने आपत्ति जताई, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और मंत्री वहां से रवाना हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि मंत्री ने उनकी बात सुने बिना ही कार्यक्रम स्थल छोड़ दिया।

धार्मिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य हनुमान कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वामी गोविन्द देव गिरी जी महाराज जैसे संतों के सान्निध्य में होने वाले धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मकता और उच्च संस्कारों का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आज अमृत काल में है और दुनिया के अग्रणी राष्ट्रों के रूप में उभर रहा है। स्वामी विवेकानंद जी ने जिस सांस्कृतिक वैभव का सपना देखा था, आज हमारी संस्कृति उसी रूप में पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक और बद्रीनाथ-केदारनाथ धाम का जीर्णोद्धार नए भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी के ऐतिहासिक दिन को याद करते हुए कहा कि लंबे इंतजार के बाद जब प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा हुई, तो पूरी दुनिया उस पल की साक्षी बनी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और विरासत के संरक्षण का कार्य निरन्तर कर रही है। खाटूश्याम जी, गिरराज जी और पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर सहित प्रमुख धार्मिक केंद्रों के विकास के लिए सरकार काम कर रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का वैदिक परंपरा के अनुरूप मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने चारों वेद ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का वाचन कर रहे बटुकों के वैदिक मंत्रोच्चार का श्रवण किया।

हनुमान कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्तिभाव में सराबोर नजर आए। इस अवसर पर विधायक बालमुकुंद आचार्य, ठाकुर गोविन्ददेव चतुर्वेद विद्यापीठ के न्यासी संदीप झंवर सहित अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज को एकजुट रखने और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं के मार्गदर्शन और धार्मिक आयोजनों से समाज में सेवा, समरसता, सद्भाव और राष्ट्रभक्ति की भावना को बल मिलता है, जिससे नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

बच्चों ने श्रद्धा और रचनात्मकता से सजाई बाल रथयात्रा, आकर्षक रथों ने जीता सभी का मन

जयपुर। गुप्त वृंदावन धाम में आयोजित श्री जगन्नाथ बाल रथयात्रा महोत्सव में बड़ी संख्या में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बच्चों ने अपने परिवार के सहयोग से भगवान श्री जगन्नाथ के आकर्षक रथ तैयार कर अपनी कला, कल्पनाशक्ति और भक्ति का सुंदर परिचय दिया।

कई बच्चे स्वयं अपने हाथों से बनाए रथ लेकर कार्यक्रम में पहुंचे, जिनमें भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा की सुंदर झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। प्रतिभागी बच्चों ने बताया कि उन्हें रथ निर्माण की प्रेरणा मंदिर के ICVK (Indian Culture Value for Kids) कार्यक्रम के माध्यम से मिली। रथों के निर्माण में कार्डबोर्ड, क्ले, रंग, आइसक्रीम स्टिक, रस्सी और अन्य हस्तशिल्प सामग्री का उपयोग किया गया।

निवेश प्रोत्साहन प्रयासों पर लगी राष्ट्रीय मुहर, निवेश अनुकूलता में 'अग्रणी राज्यों' में शामिल हुआ राजस्थान

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेश प्रोत्साहन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मुहर लगी है। नीति आयोग द्वारा जारी निवेश अनुकूलता सूचकांक में राजस्थान को 'अग्रणी राज्य' की श्रेणी में स्थान मिला है। समग्र रैंकिंग में राज्य देशभर में 10वें तथा बड़े राज्यों में 8वें स्थान पर रहा। वहीं, बड़े राज्यों की श्रेणी में नियमों के सरलीकरण में राजस्थान ने दूसरा, निवेश प्रोत्साहन नीतियों में तीसरा तथा संसाधनों के क्षेत्र में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। यह राज्य में निवेश को बढ़ावा देने, उद्योगों के लिए बेहतर

माहौल तैयार करने और कारोबार को आसान बनाने की दिशा में किए गए सुधारों का परिणाम है।

राज निवेश पोर्टलः अब 190 सेवाएं उपलब्ध, निस्तारण समय में आ रही कमी राज्य में उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने, निवेशकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने, औद्योगिक भूमि, आधारभूत सुविधाओं तथा निवेश-अनुकूल वातावरण विकसित करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए गए हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब नीति आयोग की रिपोर्ट में भी दिखाई दिया है। बड़े राज्यों की श्रेणी में नियामकीय सुगमता के क्षेत्र में राजस्थान ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। राज्य सरकार ने निवेशकों को तेज, पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज निवेश पोर्टल को लगातार सुदृढ़ किया है। वर्तमान में इस पोर्टल पर 18 विभागों की 190 सेवाएं उपलब्ध हैं। साथ ही, प्रमुख सेवाओं के औसत निस्तारण समय में कमी दर्ज की गई है।

फर्जी पत्रकारों के विरुद्ध सख्ती समय की मांग : मारवाड़ प्रेस क्लब अध्यक्ष

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जोधपुर। मारवाड़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईएफडब्ल्यूजे) के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा है कि फर्जी पत्रकारों के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

उनका मानना है कि पत्रकारिता की गरिमा, विश्वसनीयता और सामाजिक उत्तरदायित्व बनाए रखने के लिए वास्तविक और अधिकृत पत्रकारों की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार वही माना जाना चाहिए जो पत्रकारिता में डिग्री या डिप्लोमा जैसी आवश्यक शैक्षणिक योग्यता रखता हो तथा किसी मान्यता प्राप्त मीडिया संस्थान से विधिवत जुड़ा हो। इससे न केवल पत्रकारिता की साख प्रभावित होती है, बल्कि समाज में भ्रम की स्थिति भी उत्पन्न होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग अधिकृत पत्रकारों की अद्यतन सूची सार्वजनिक करे।

ब्रह्मबाद में बंदरों का आतंक, ग्रामीणों में दहशत, कार्रवाई नहीं होने पर जताई नाराजगी

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बयाना। बयाना उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत ब्रह्मबाद में इन दिनों बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदरों के झुंड घरों, दुकानों और सार्वजनिक स्थानों पर उत्पात मचाने से ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार बंदर आए दिन लोगों पर झपट्टा मार रहे हैं और घरों में घुसकर खाद्य सामग्री सहित अन्य सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार लोग हमलों से बाल-बाल बच चुके हैं। हालांकि अभी तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बंदरों की समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों और प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक बंदरों को पकड़ने या आबादी क्षेत्र से हटाने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। इससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है मानो प्रशासन किसी बड़ी अप्रिय घटना का इंतजार कर रहा हो। उन्होंने मांग की है कि वन विभाग और प्रशासन संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाकर बंदरों को सुरक्षित तरीके से आबादी क्षेत्र से बाहर स्थानांतरित करें, ताकि लोगों को राहत मिल सके और किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की है। ग्रामीणों ने बताया कि बंदरों के आतंक के कारण बच्चों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। कई अभिभावक अपने बच्चों को अकेले स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं, जबकि महिलाएं घरेलू कार्यों के दौरान भी लगातार सतर्क रहने को मजबूर हैं। सुबह और शाम के समय बंदरों की गतिविधियां अधिक होने से लोगों में भय का माहौल बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंदरों के झुंड मकानों की छतों पर चढ़कर पानी की टंकियों, बिजली के तारों और अन्य घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन द्वारा 57वें बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस का आयोजन

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन की ओर से तारक भवन जयपुर में रामगोपाल शर्मा की अध्यक्षता में 57वां बैंक राष्ट्रीयकरण दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

समारोह में आरपीबीयू महासचिव महेश मिश्रा सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा, सचिव महेश शर्मा, महिला विंग की संयोजिका मेघा मलिक, राहुल पांडे आर जी शर्मा ने विचार व्यक्त किए, इस अवसर पर विभिन्न सार्वजनिक बैंक ,सहकारी बैंकों के कार्मिकों, किसान आमजन और ग्राहकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए महेश मिश्रा ने कहा कि 19 जुलाई 1969 को 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण एक ऐतिहासिक फैसला था। इसके बाद ही बैंकिंग गांव-गांव, किसान-मजदूर तक पहुंची। सार्वजनिक और सरकारी सहकारी बैंकों में जमाए सुरक्षित है।

जयकारों के साथ श्री केसरिया कुंथुनाथ जैन मंदिर में हुआ साध्वी अर्पितगुणाश्री का भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जोधपुर। रातानाडा अजीत कॉलोनी स्थित श्री केसरिया कुंथुनाथ जैन मंदिर में साध्वी अर्पितगुणा एवं साध्वी मंत्रनिधि का परमात्मा एवं गुरु के गगनचुंबी जयकारों के साथ हर्षोल्लास के साथ भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश हुआ। तीर्थ के प्रवक्ता दिलीप जैन एवं अध्यक्ष यशपाल मेहता ने बताया कि रविवार को प्रातः 8.30 बजे अनुयोगाचार्य आदर्शरत्नसागर, अक्षतरत्नसागर के पावन सानिध्य एवं साध्वी अर्चितगुणाश्री की विशेष उपस्थिति में भुवाल वाटिका से चतुर्मासिक प्रवेश शोभायात्रा बैंड बाजों एवं ढोल नगाड़ों के साथ चतुर्विध संघ की उपस्थिति में निकाली गई।

तीर्थ के उपाध्यक्ष निर्मल मेहता एवं सचिव राकेश मेहता ने बताया कि शोभयात्रा के तीर्थ में प्रवेश करने पर कुंथुनाथ महिला मंडल की सदस्याओं ने मस्तक पर मंगल कलश उठाए साधु एवं साध्वियों की परिक्रमा देते हुए मंगल गीतों के साथ बधावणा किया। तीर्थ के ट्रस्टी मृदुल मेहता ने बताया कि इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए अक्षतरत्नसागर ने कहा कि चातुर्मास आत्मिक उत्थान का कारक है। जीवन को सफल एवं सार्थक बनाने हेतु परमात्मा एवं गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करना अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गुरूवर्या के चातुर्मास का योग मिला है। इसे संयोग में बदलने के साथ जीवन में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। धर्म सभा में प्रसिद्ध जैन भजन गायिका मोनिका जैन द्वारा स्वागत गीतों के साथ गाए गए तेरी चौखट पे आना मेरा काम है, मेरी बिगड़ी बनाना तेरा काम है जैसे भजनों की प्रस्तुति ने सभी झूमने पर विवश कर दिया।

इंग्लैंड के हम पोलो ग्राउंड में जोधपुर का परचम, जोधपुर टाइगर्स ने जीता जोधपुर पोलो कप

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

जोधपुर। इंग्लैंड के प्रतिष्ठित हम पोलो ग्राउंड, लंदन में आयोजित जोधपुर पोलो कप में जोधपुर पोलो टाइगर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लंदन नाइट्स को 9 गोल से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

मुकाबले में जोधपुर टीम ने बेहतरीन तालमेल, आक्रामक खेल और सटीक रणनीति का प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत दर्ज की। मैच के समापन पर महाराजा गज सिंह ने विजेता जोधपुर पोलो टाइगर्स को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। महाराजा गज सिंह के एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन हम पोलो क्लब, लंदन के अध्यक्ष नवाबजादा अख्तर पटौदी द्वारा किया गया। जोधपुर टाइगर्स की ओर से बख्तियार पटौदी, इब्राहिम, जेम्स बॉयड और एंटोनिनो ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

वहीं लंदन नाइट्स की टीम में नाजी अजीज, जूलियन, मैक्स मुंडस और अब्दुल्ला डेको ने हिस्सा लिया।

गौरतलब है कि हम पोलो ग्राउंड, लंदन दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित पोलो मैदानों में गिना जाता है, जहां ब्रिटेन के किंग चार्ल्स, प्रिंस विलियम सहित शाही परिवार के कई सदस्य भी पोलो खेल चुके हैं।

दौसा में संत रामपाल महाराज का सत्संग सम्पन्न, सतभक्ति और सामाजिक सुधार का दिया संदेश

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

दौसा। संत रामपाल महाराज के सानिध्य में सत्संग एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम रविवार को यशोधरा लॉन में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में दौसा एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर सत्संग का लाभ प्राप्त किया। सत्संग के दौरान संत रामपाल महाराज के अमृत वचनों का श्रवण कराया गया, जिसमें शास्त्रों के अनुसार सतभक्ति, मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य तथा सामाजिक कुरीतियों जैसे नशा, दहेज, भ्रूण हत्या, भ्रष्टाचार और जाति-पाति जैसी बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के

दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने अनुशासन एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सत्संग का लाभ लिया। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, समाज के गणमान्य नागरिकों एवं प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया। सत्संग के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनता है। उन्होंने बताया कि सत्य भक्ति के मार्ग पर चलकर मनुष्य अपने जीवन को सदाचार, संयम और नैतिक मूल्यों से जोड़ सकता है।

साथ ही समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और मानवता की भावना को मजबूत करने का भी आह्वान किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को मानव जीवन की महत्ता, सेवा, परोपकार और सद्कर्मों के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि आध्यात्मिक जीवन अपनाने से व्यक्ति न केवल मानसिक शांति प्राप्त करता है, बल्कि परिवार और समाज में भी सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। उन्होंने सभी से सामाजिक बुराइयों का त्याग कर नैतिक एवं जिम्मेदार जीवन जीने का संदेश दिया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की गई थीं। स्वयंसेवकों ने अनुशासित ढंग से पार्किंग, पेयजल, बैठक व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का संचालन किया।

राजस्थान/ प्रादेशिक

अमर शहीद मंगल पांडे की 199वीं जयंती पर बीकानेर में श्रद्धांजलि सभा, वीरता और राष्ट्रभक्ति को किया नमन

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम नायक अमर शहीद मंगल पांडे की 199वी जयंती पर शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज और मंगल पांडे स्मारक समिति की तरफ से मंगल पांडे सर्किल पर पुष्पांजलि और स्मरण सभा आहूत की गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रांतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेशाध्यक्ष गणेशदास सेवग ने तेल चित्र पर पुष्पहार अर्पित करते हुए कहा कि धर्म और देश की एकता की रक्षा के लिए अपने प्राण की परवाह किए बगैर जिसने मजबूत अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोला वो क्रांतिकारी अमर शहीद मंगल पांडे धर्म की रक्षा के पर्याय के रूप में सदैव पूजनीय रहेंगे।

विशिष्ठ अतिथि कल्याण फाऊंडेशन ऑफ इंडिया की निदेशक कामिनी विमल भोजक मैया ने श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि आजादी के प्रथम नायक मंगल पांडे की हुंकार ने भारत में आजादी के आंदोलन की शुरुआत की और वे सदैव भारत देश के फौलादी वीर के रूप में याद किए जाते रहेंगे।

वरिष्ठ समाजसेवी और व्यापारी बजरंगलाल सेवग उर्फ़ मास्टर जी ने कहा कि जो वतन के धर्म के लिए और संप्रभुता किं रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने से पीछे नहीं हटते अमीर शहीद मंगल पांडे इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण बंधु ट्रस्ट के अध्यक्ष आर के शर्मा ने करते हुए कहा कि भारत देश की वीर गाथाओं में आजादी के प्रथम नायक मंगल पांडे अविस्मरणीय व्यक्तित्व और गौरव के रूप मे सदेव पूजे जाएंगे।

राजस्थान प्रांतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा के महासचिव राजेश शर्मा ने पुष्पांजलि अर्पित हुए कहा कि जिस वक्त भारत में बोलने से लोग हिचकिचाते थे अंग्रेजी दासता का भयंकर खौफ था तब मंगल पांडे ने विद्रोह का बिगुल फूंक कर भारतीयों में जोश का संचार किया और भारत आजादी की राह पर आगे बढ़ा।

वन्देमातरम टीम के संयोजक विजय कोचर ने कहा कि वीर सपूतों की गाथाओं पर छोटे छोटे लघु नाटक बच्चों के लिए तैयार किए जाने चाहिए जिस से वे इनके वीर कार्यों से अवगत हो सके।

मंगल पांडे स्मारक समिति के शंकर सेवग ने कहा कि हम गर्वित है कि हम मंगल पांडे के समाज में पैदा हुए जो अदभुत वीरता का परिचायक है।

राजस्थान में पेपर लीक के मास्टरमाइंड सुरेश ढाका पर खान विभाग की बड़ी कार्रवाई

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान खान विभाग ने फरार पेपर लीक के आरोपी सुरेश ढाका से जुड़े एक रेत खनन पट्टे के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। निरीक्षण में कथित तौर पर कई उल्लंघन पाए गए हैं, जिनमें अवैध खुदाई, सीमा चिह्नों का न होना और हजारों टन रेत का अनाधिकृत खनन शामिल है।

विभाग ने पट्टाधारक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और चेतावनी दी है कि यदि संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया तो 20 करोड़ रुपए का खनन पट्टा रद्द किया जा सकता है।

यह कार्रवाई ब्यावर जिले के रायपुर तहसील के मेसिया गांव में एक खनन स्थल पर विभाग की सतर्कता शाखा और स्थानीय खनन अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा किए गए अचानक निरीक्षण के बाद की गई है। अधिकारियों के अनुसार, निरीक्षण में कई अनियमितताएं सामने आईं। पांच खनन गड्ढों में पानी जमा हो गया था, जिससे सुरक्षा नियमों के अनुपालन को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।

राजस्थान सरकार ने देर रात 18 आईपीएस अधिकारियों का किया तबादला

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान सरकार ने पुलिस प्रशासन में बड़े फेरबदल के तहत मंगलवार देर रात 18 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। महानिदेशक (डीजी) रैंक के दो अधिकारियों के साथ-साथ जोधपुर पुलिस आयुक्त और अजमेर और भरतपुर रेंज के महानिरीक्षकों (आईजी) को भी बदल दिया गया है। अब चार जिलों में नए पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किए जाएंगे। रिफाइनरी दुर्घटना के दौरान सुर्खियों में आए बालोतरा एसपी का भी तबादला कर दिया गया है। उन्हें फील्ड पोस्टिंग से हटा दिया गया है। वहीं, जोधपुर कमिश्नर को पांच महीने से भी कम समय में बदल दिया गया है। अनिल पालीवाल का तबादला डीजी (प्रशिक्षण एवं यातायात) के पद से हटाकर डीजी एवं कमांडेंट जनरल, होम गार्ड्स (जयपुर) के पद पर कर दिया गया है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मालिनी अग्रवाल को महानिदेशक (पुलिस यातायात) के पद पर नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे महानिदेशक और होम गार्ड्स की कमांडेंट जनरल थीं।

संक्रांति महोत्सव पर धर्मसभा, साध्वियों ने बताया चातुर्मास का आध्यात्मिक महत्व

बीकानेर जब केसरी आचार्य विजय वल्लभसूरीजी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति पद्मश्री शांतिदूत आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय नित्यानंद सुरिश्वरजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वी रंजनश्री एवं साध्वी प्रमोदश्री महाराज सा की सुशिष्याएं साध्वी प्रीतिरत्ना, साध्वी प्रीतिसुधा तथा साध्वी प्रीतियशा महाराज सा के सान्निध्य में शुक्रवार को रंगड़ी चौक स्थित तपागच्छीय पौषधशाला में सूर्य संक्रांति महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। वर्ष के बारह महीनों में ये चार महीने आत्मकल्याण, तप, स्वाध्याय, गुरु भक्ति और धर्म आराधना के लिए विशेष अवसर प्रदान करते हैं।

यदि श्रद्धालु इन चार महीनों का सदुपयोग नहीं करते, तो वर्षभर की आध्यात्मिक साधना अधूरी रह जाती है।

अमरनाथ यात्रा रामबन में बस में आग लगने के बाद राजस्थान के तीर्थयात्री बाल-बाल बचे

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। श्री अमरनाथ यात्रा से राजस्थान से लौट रहे तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस में टायर फटने के बाद आग लग गई। यह घटना रामबन जिले के करोल के पास जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पर हुई। हालांकि सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई।

शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने जम्मू के लिए वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था की और उनकी आगे की यात्रा राजस्थान तक सुगम बना रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीर्थयात्री राजस्थान के सलूंबर जिले के धाकरदा गांव के निवासी थे और अमरनाथ गुफा मंदिर में दर्शन करने के बाद लौट रहे थे। बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई, जिससे यात्रियों का सामान, नकदी, कपड़े और महत्वपूर्ण दस्तावेज नष्ट हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रामबन क्षेत्र से गुजरते समय बस के पिछले टायर के फटने से हुई।

राजस्थान बांसवाड़ा सम्मेलन में आदिवासियों ने अलग 'भील प्रदेश' की मांग उठाई

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। शुक्रवार को राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश के हजारों आदिवासी बांसवाड़ा के प्रसिद्ध मंगर धाम में आयोजित एक भव्य सम्मेलन में एकत्रित हुए। भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा के बैनर तले आयोजित इस सामाजिक और गैर-राजनीतिक सम्मेलन में सभी ने सर्वसम्मति से एक नए 'भील प्रदेश' राज्य के गठन की मांग रखी। इस अवसर पर बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि चारों राज्यों की सरकारों ने इस क्षेत्र की उपेक्षा की है, जिसके कारण यह पिछड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सभी सरकारों ने आदिवासी समुदाय के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार किया है। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के जिला उपाध्यक्ष विनोद कुमार खराड़ी ने बताया कि इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य आदिवासी अधिकारों के लिए आवाज उठाना और सरकार के समक्ष एक अलग 'भील प्रदेश' राज्य की मांग को मजबूती से प्रस्तुत करना था। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी आदिवासी क्षेत्रों में विकास नहीं हो पाया है। वर्तमान में, आदिवासी समुदाय राज्य सीमाओं के पार बिखरा हुआ है, विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग हर स्तर पर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। खराड़ी ने जोर देकर कहा कि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि समुदाय के अस्तित्व और अधिकारों के लिए संघर्ष है। आयोजन समिति के सदस्य भंवरलाल परमार और आदिवासी समुदाय के सदस्यों की देखरेख में पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से संपन्न हुआ।

मुख्य सचिव ने वीसी के माध्यम से ली समीक्षा बैठक — सभी अस्पताल आवश्यक स्टेंडर्ड प्रोटोकॉल्स की सख्ती से पालना करें

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला की नामवार लिस्ट तैयार करें। साथ ही एएनएम तथा सीएचओ को प्रत्येक हाईरिस्क गर्भवती महिला के साथ नियमित मॉनिटरिंग के लिए अटैच करें। आवश्यकता होने पर रेफरल सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रदेशभर के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों एवं जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारियों को सोमवार को सुबह एएनएम की बैठक लेकर लाईनलिस्ट और उसके कारणों की समीक्षा के निर्देश दिए। ताकि समय रहते आवश्यक इंटरवेंशन किया जा सके। मुख्य सचिव ने रविवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों एवं गायनी विभागाध्यक्षों को पिछले 24 घंटों में सामान्य व सिजेरियन प्रसव एवं उनकी वर्तमान हालत के बारे में जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक चिकित्सालय में प्रसव सहित विभिन्न ऑपरेशन्स के लिए स्टेंडर्ड ऑपरेशन प्रोसीजर्स की पालना सुनिश्चित करें। इस दौरान विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों ने लेबर रूम प्रोटोकॉल, इंफेक्शन कंट्रोल, एनस्थीसिया, बोयोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, कोल्ड चैन मैनेजमेंट, रैफरल प्रोटोकॉल आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश के सभी अस्पतालों में आवश्यक प्रोटोकॉल्स की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा से की वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अलवर। राजस्थान सरकार के वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा से रविवार को अलवर स्थित सर्किट हाउस में वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर नगर निगम में लंबित सफाई कर्मचारी भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग रखी।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्री शर्मा को अवगत कराया कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया लंबित होने के कारण अनेक अभ्यर्थी रोजगार से वंचित हैं। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान करने का आग्रह किया।

वन राज्य मंत्री श्री संजय शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा नगर निगम में लंबित सफाई कर्मचारी भर्ती का यथाशीघ्र निस्तारण कराया जाएगा।

राजस्थान शिक्षिका के पैसे गुम होने पर स्कूल में उतरवाए गए छात्राओं के कपड़े, शिक्षा विभाग ने की कार्रवाई

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सवाई माधोपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्कूल के अंदर छात्राओं के कपड़े उतरवाने के आरोप लगे हैं। बताया गया कि स्कूल में एक शिक्षिका के रुपए गुम होने पर कथित रूप से छात्राओं के कपड़े उतराए गए। इस घटना से ग्रामीण और अभिभावक आक्रोशित हैं। हालांकि, मामला सामने आने के बाद भरतपुर मंडल के संयुक्त निदेशक ने शिक्षिका को निलंबित कर दिया, जबकि एक शिक्षिका को कार्यमुक्त किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना सवाई माधोपुर जिले के बामनवास उपखंड क्षेत्र में स्थित लिवाली के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की है।

स्कूल में एक शिक्षिका सरस्वती मीना के पर्स से कुछ रुपए खो गए थे। इसका शक स्कूल की छात्राओं पर किया गया था। आरोप है कि जांच के नाम पर कक्षा 9वीं से 11वीं तक की छात्राओं के कपड़े उतरवाकर उनकी तलाशी ली गई।

यह घटनाक्रम 13 जुलाई का बताया गया है। जब डरी-सहमी छात्राओं ने घर जाकर परिजनों को इस आपबीती की जानकारी दी तो पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में अभिभावक और ग्रामीण स्कूल के बाहर जमा हो गए और मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही सीबीईओ प्रतिभा मीना तुरंत मौके पर पहुंचीं और पीड़ित छात्राओं से पूरी घटना की जानकारी ली। साथ ही, उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया।

जब डरी-सहमी छात्राओं ने घर जाकर परिजनों को इस आपबीती की जानकारी दी तो पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में अभिभावक और ग्रामीण स्कूल के बाहर जमा हो गए और मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया। हंगामे की सूचना मिलते ही सीबीईओ प्रतिभा मीना तुरंत मौके पर पहुंचीं और पीड़ित छात्राओं से पूरी घटना की जानकारी ली। साथ ही, उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया।

मामले में सीबीईओ की रिपोर्ट पर स्कूल शिक्षा, भरतपुर मंडल के संयुक्त निदेशक ने शिक्षिका सरस्वती मीना को निलंबित कर दिया।

राजस्थान को वर्ष पर्यन्त वेडिंग डेस्टिनेशन बनाने पर जोर - शेखावाटी, जैसलमेर, बांसवाड़ा सहित अन्य नए स्थलों पर किया जाए फोकस

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान को अब केवल 6 महीने नहीं, बल्कि वर्ष पर्यन्त वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके लिए जयपुर, जोधपुर और उदयपुर के साथ-साथ शेखावाटी, जैसलमेर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, भरतपुर और पुष्कर जैसे पर्यटन स्थलों को भी वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में एक्सप्लोर किया जाए।

दिया कुमारी रविवार को जयपुर के कूकस स्थित एक होटल में आयोजित इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर और उदयपुर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहले से ही विश्व प्रसिद्ध हैं। लेकिन राजस्थान की ब्रांड पहचान को और विस्तार देने के लिए अन्य पर्यटन स्थलों को भी इस मानचित्र पर लाना आवश्यक है। शेखावाटी की हवेलियां, जैसलमेर का रेगिस्तान, बांसवाड़ा-डूंगरपुर की प्राकृतिक सुंदरता, भरतपुर का वन्यजीव और पुष्कर की धार्मिक आभा - ये सभी स्थल वेडिंग टूरिज्म के लिए बेहतरीन विकल्प बन सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वेडिंग टूरिज्म को वर्षभर बढ़ावा मिलने से स्थानीय कारीगरों, होटल, ट्रांसपोर्ट और इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और विश्वस्तरीय पर्यटन सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को गति मिलती है तथा स्थानीय समुदायों की आय में भी वृद्धि होती है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने दी सौगात, बारिश से पहले एक्शन

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

अजमेर। बारिश के दिनों में शहर को जलभराव से बचाने के लिए एक्शन शुरू कर दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर नगर निगम अजमेर ने 50-50 हॉर्स पावर क्षमता के तीन बड़े डीवाटरिंग पम्प खरीदे है। रविवार को सागर विहार कॉलोनी में इनका लोकार्पण किया गया। शहर के प्रभावित क्षेत्रों में भारी बारिश के दौरान यह पम्प लगातार काम कर आमजन को जलभराव से बचाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सागर विहार कॉलोनी में लगभग 80 लाख रुपये की लागत से स्थापित तीन डिवाटरिंग पम्प सेटों का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि प्रत्येक डिवाटरिंग पम्प सेट 50-50 हॉर्स पावर क्षमता का है तथा ये पम्प प्रति घंटे लगभग 4 लाख लीटर पानी निकासी करने में सक्षम हैं।

एक डिवाटरिंग पम्प सेट में 12.50 हॉर्स पावर के चार-चार पम्प जनसेट के साथ स्थापित किए गए हैं, जिससे आपात स्थिति में त्वरित जल निकासी सुनिश्चित की जा सकेगी। वरुण सागर झील का 250 करोड़ रुपये की राशि से इसका पुनरुद्धार व सौंदर्यकरण किया जाएगा।

मनोरंजन समाचार

क्रिस्टोफर नोलन की 'द ओडिसी' का भारत में भी चला जादू, तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर उड़ाया गर्दा

क्रिस्टोफर नोलन की बहुप्रतीक्षित एपिक फिल्म 'द ओडिसी' को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह था। शुक्रवार, 17 जुलाई को ये फिल्म दुनियाभरों के सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे दर्शकों और क्रिटिक्स से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला, जिसकी बदौलत बॉक्स ऑफिस पर 'द ओडिसी' की शुरुआत काफी शानदार रही और यह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अजय देवगन की कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' , आलिया भट्ट की स्पाई-थ्रिलर 'अल्फा' और हॉलीवुड हॉरर फिल्म 'ईविल डेड बर्न' जैसी फिल्मों के बीच भारत में भी ये फिल्म अपनी पकड़ बनाने में सफल रही। पहले दो दिन 'द ओडिसी' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम रखा और अब तीसरे दिन भी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला। तीसरे दिन यानी पहले रविवार को इस फिल्म ने 21.90 करोड़ का कलेक्शन करते हुए कई रिकॉर्ड्स ध्वस्त कर दिए हैं। नोलन की 'द ओडिसी' के भारतीय बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की बात करें तो ये बेहद शानदार रहा। पहले दिन यानी 17 जुलाई को फिल्म ने 17.40 करोड़ के साथ ओपनिंग की। दूसरे दिन यानी शनिवार, 18 जुलाई को इसने 22 करोड़ का कलेक्शन किया और अब तीसरे दिन भी इसने कमाल कर दिया है। रविवार, 19 जुलाई को मैट डेमन स्टारर इस फिल्म ने 55 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ 21.90 करोड़ का कलेक्शन करते हुए सबको चौंका दिया है। इसी के साथ फिल्म ने भारत में 61.30 करोड़ का नेट कलेक्शन और 73.19 करोड़ ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। रिलीज के साथ ही 'द ओडिसी' ने कई बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। 'द ओडिसी' भारत में क्रिस्टोफर नोलन की सबसे बड़ी ओपनर साबित हुई है। इससे पहले 'ओपेनहाइमर' ने 14.50 करोड़ के साथ ओपनिंग की थी। इसी के साथ ये 2026 की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली हॉलीवुड फिल्म भी बन गई है। फिल्म की कास्ट की बात करें तो इसमें मैट डेमन, टॉम हॉलैंड, ऐनी हैथवे, रॉबर्ट पैटिनसन और जेंडया जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। बता दें, क्रिस्टोफर नोलन की 'द ओडिसी' में एक भारतीय मूल के ब्रिटिश एक्टर भी हैं, जिनका नाम हिमेश पटेल है। हिमेश पटेल ने इस चर्चित फिल्म में ओडिसियस के सेकंड-इन-कमांड, यूरिलोचस का किरदार निभाया है और मैट डेमन से लेकर ऐनी हैथवे, टॉम हॉलैंड, जेंडाया और रॉबर्ट पैटिनसन जैसी मशहूर हस्तियों के बीच भी अपने अभिनय के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं। हिमेश पटेल ने एक्टर के तौर पर 16 साल की उम्र में ही अपने करियर की शुरुआत कर दी थी। हिमेश पटेल का जन्म ब्रिटेन में भारतीय मूल के गुजराती परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय फिल्म उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाई। अपनी स्वाभाविक अभिनय शैली और विविध भूमिकाओं के दम पर उन्होंने दर्शकों और समीक्षकों दोनों का ध्यान आकर्षित किया है। पिछले कुछ वर्षों में वे कई चर्चित हॉलीवुड फिल्मों और वेब सीरीज का हिस्सा रह चुके हैं। फिल्म समीक्षकों के अनुसार, 'द ओडिसी' में हिमेश पटेल ने यूरिलोचस के किरदार को प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा है।

'फ्रेजाइल एक्स सिंड्रोम' पर बोमन ईरानी ने कहा, 'जब तक बात नहीं होगी, ऑटिज्म के प्रति जागरूकता अधूरी है'

अभिनेता बोमन ईरानी कुछ ही मुद्दे पर आवाज उठाते हैं, लेकिन उसके पीछे की वजह मजबूत होती है। शुक्रवार को उन्होंने एक गंभीर मुद्दे पर बात रखी। अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए 'फ्रेजाइल सिंड्रोम' के प्रति लोगों को जागरूक करने और समाज में इसके बारे में खुलकर बात करने के लिए सिनेमा की ताकत पर जोर दिया। अभिनेता का मानना है कि फिल्मों के जरिए ऐसे जटिल मुद्दों को लोगों तक आसानी से पहुंचाया जा सकता है। 'वर्ल्ड फ्रेजाइल एक्स अवेयरनेस डे' से पहले अभिनेता ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने 'फ्रेजाइल सिंड्रोम' से प्रभावित लोगों और परिवारों के लिए ज्यादा जागरूकता और समावेश की जरूरत पर जोर दिया। अभिनेता ने लिखा, "फ्रेजाइल जरूर देखें। एक कलाकार के रूप में हम अपनी जिंदगी की कहानियां सुनाने में व्यक्त हैं, लेकिन कुछ कहानियां ऐसी होती हैं, जो सिर्फ देखने के लिए नहीं, बल्कि हमें रुककर, सुनकर और उन लोगों की दुनिया को समझने के लिए प्रेरित करती हैं, जिनके बारे में हम शायद बहुत कम जानते हैं। 'फ्रेजाइल' एक ऐसी ही फिल्म है।" उन्होंने फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए लिखा, "यह फिल्म पूरी सच्चाई और संवेदनशीलता के साथ 'फ्रेजाइल एक्स सिंड्रोम' से जुड़ी चुनौतियों को दिखाती है। यह उन लोगों और उनके परिवारों की कहानी है, जो हर दिन हिम्मत, धैर्य, संघर्ष और प्यार के साथ इस स्थिति का सामना करते हैं।"

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत 'द इंडिया स्टोरी' का दमदार और झकझोर देने वाला ट्रेलर रिलीज

'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो कीटनाशक आधारित खेती और उसके समाज पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों जैसे बेहद अहम मुद्दे को सामने लाता है।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह फिल्म एक रोमांचक कहानी के जरिए उन सच्चाइयों को उजागर करती है, जो करोड़ों लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी को प्रभावित करती हैं। दमदार ड्रामा, प्रभावशाली अभिनय और सामाजिक संदेश से भरपूर यह ट्रेलर साहस, न्याय और संघर्ष की प्रेरणादायक कहानी की झलक पेश करता है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है।

'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी। फिल्म के निर्देशक चेतन डीके ने ट्रेलर के बारे में कहते हैं, "द इंडिया स्टोरी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसी बातचीत की शुरुआत है, जो आज बेहद ज़रूरी है। इस कहानी के माध्यम से हमने उस समस्या पर रोशनी डालने की कोशिश की है, जो चुपचाप हर घर को प्रभावित कर रही है। ट्रेलर सच्चाई, साहस और संघर्ष की इस ताकतवर यात्रा की एक झलक है। हमें उम्मीद है कि यह दर्शकों को सोचने, सवाल उठाने और अपने आसपास की हकीकत को समझने के लिए प्रेरित करेगा।" इसके अलावा काजल अग्रवाल ने फिल्म को लेकर कहा, "द इंडिया स्टोरी का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अर्थपूर्ण अनुभव रहा। मेरा किरदार हर मुश्किल के बावजूद सच का साथ देता है और यही इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। मुझे उम्मीद है कि ट्रेलर दर्शकों से जुड़ाव बनाएगा और उन्हें इस कहानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित करेगा।" इसी के साथ श्रेयस तलपड़े ने रिलीज़ हुए इस दमदार ट्रेलर के बारे में कहा, "इस ट्रेलर में द इंडिया स्टोरी का भावनात्मक पक्ष पूरी मजबूती से सामने आता है।"

मैंने हमेशा मजबूत महिला किरदारों का समर्थन किया : अनिल कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए। अनिल कपूर ने अपनी नई फिल्म 'अल्फा' को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए अपने विचार रखे। उन्होंने लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। ऐसी सोच ही 'अल्फा' जैसी फिल्मों को संभव बनाती है।

कैटरीना कैफ ने बेटे विहान पर लुटाया प्यार, बर्थडे सेलिब्रेशन के क्यूट मोमेंट वायरल

कैटरीना कैफ ने अपने परिवार की कुछ प्यारी तस्वीरें शेयर करके फैंस को अपने 43वें जन्मदिन के खास सेलिब्रेशन की दिल छू लेने वाली झलक दिखाई है। सोशल मीडिया पर कैटरीना का यह पोस्ट खास वजह से चर्चा में बना हुआ है, जिसमें वह अपने बेटे विहान और पति विक्की संग क्वालिटी टाइम बिताते नजर आ रही हैं। इन 5 तस्वीरों में तीसरी फोटो ने सभी का ध्यान खींचा, जबकि दो फोटो में कैटरीना अपने बेटे पर प्यार लुटाते दिखाई दीं। हालांकि, उन्होंने विहान कौशल का चेहरा नहीं दिखाया है। इसी के साथ एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उनके लिए यह जन्मदिन क्यों खास था। विक्की कौशल ने 16 जुलाई को अपनी पत्नी के लिए क्यूट बर्थडे पोस्ट किया था, जिसके 2 दिन बाद कैट ने भी सेलिब्रेशन की झलक दिखाई। कैटरीना ने अपने 43वें जन्मदिन के जन्न की तस्वीरें शेयर कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन फोटोज में उनके पति विक्की कौशल भी नजर आए, जिससे फैंस को जन्मदिन सेलिब्रेशन की खास झलक देखने को मिली। रविवार, 19 जुलाई 2026 को इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए कैटरीना ने बताया कि उनका यब बर्थडे क्यों खास था। एक्ट्रेस ने एक दिल को छू लेने वाला नोट लिखाः 'तुम मेरे लिए सबसे कीमती आशीर्वाद हो, जिसके लिए मैं हमेशा शुक्रगुजार रहती हूं। सबसे अच्छा जन्मदिन।'

फोटो में कैटरीना शानदार ऑरेंज मैक्सी ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने अपने लंबे बाल खुले रखे थे और एक कैंडिड शॉट के लिए हंसती दिखाई दीं। आखिरी फोटो ने सबका दिल जीत लिया, जिसमें छोटा विहान बहुत प्यारे अंदाज में कैटरीना की नाक पकड़े हुए दिखा।

'धुरंधर' सिंगर जैस्मिन सैंडलस के साथ लाइव शो में हुई बदसलूकी? वायरल वीडियो देख भड़के फैन

'धुरंधर' सिंगर जैस्मिन सैंडलस इन दिनों अपने म्यूजिकल टूर को लेकर चर्चा में हैं। पिछले दिनों जैस्मिन ने दिल्ली में लाइव कॉन्सर्ट किया, जहां उन्होंने फैंस को अपने मंगेतर से मिलाया और अपनी इंगेजमेंट रिंग दिखाकर सबको चौंका दिया। अब जैस्मिन अपने देहरादून कॉन्सर्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं, जिसकी वजह एक वायरल वीडियो है। इस वायरल वीडियो में जैस्मिन अपने फैंस से घिरी नजर आ रही हैं और इसी दौरान इवेंट में एक शख्स को सिंगर को कथित तौर पर गलत तरीके से छूते देखा जा सकता है। अब इस वीडियो के वायरल होने क बाद सोशल मीडिया यूजर्स की तीखी प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। यूजर्स ने फैन के इस व्यवहार की निंदा की है और जैस्मिन के प्रति अपना समर्थन दिखाया है।

दरअसल, 17 जुलाई 2026 को देहरादून के परेड ग्राउंड में जैस्मीन सैंडलस ने भारी भीड़ के सामने परफॉर्म किया, जिसका एक वीडियो ऑनलाइन चर्चा का विषय बन गया। वायरल हो रहे वीडियो में सिंगर को सामने खड़े फैंस से हाथ मिलाते देखा जा सकता है। वह अपने फैंस से गुलाब ले रही थीं और इसी बीच फैंस उनका हाथ थामने की कोशिश करने लगे। वीडियो शेयर करते हुए एक X यूजर ने लिखा, 'मशहूर सिंगर जैस्मीन सैंडलस को लोगों की भीड़ ने घेर लिया और गलत तरीके से छुआ।

ट्रोल्स से घिरीं 'मर्दों से नफरत' करने वाली साक्षी झा, बचाव में उतरे समय रैना, बोले- 'साबित कर दो पुरुष भी अच्छे होते हैं'

समय रैना एक बार फिर अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' के साथ दर्शकों के बीच वापसी कर चुके हैं। कुछ हफ्ते पहले ही शो की शुरुआत हुई और शो फिर चर्चा में है। इंडियाज गॉट लेटेंट के हालिया एपिसोड में साक्षी झा नाम की बिहार की एक टीचर पहुंची थीं, जिन्होंने खुद को मर्दों से नफरत करने वाली बताते हुए पुरुषों पर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी कीं। साक्षी ने कहा कि उनका सपना है कि वह शादी के बाद अपने पति को बेल्ट से मारें। इसके अलावा साक्षी ने शो में ये भी कहा कि उसे सभी मर्दों से नफरत होती है, यहां तक कि वह अपने पिता, दादा और भाई से भी नफरत करती है। इस एपिसोड के टेलीकास्ट होने के बाद साक्षी ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं और उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई गई। कई लोगों ने साक्षी को 'टॉक्सिक' का टैग दे दिया। अब इस पूरे विवाद के बीच समय रैना ने एक वीडियो शेयर करते हुए साक्षी का बचाव किया है। समय रैना ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह साक्षी झा का बचाव करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ये वीडियो शेयर किया, जिसमें वह साक्षी को डिफेंड करते नजर आ रहे हैं। समय ने कंटेस्टेंट का बचाव करते हुए इसे स्टेज प्रेशर बताया। समय का ये वीडियो साक्षी ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'लव यू समय रैना' लिखते हुए पोस्ट की है। तो चलिए जानते हैं अपने वीडियो में समय रैना ने क्या कहा। समय रैना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें वह कहते हैं- 'तो दोस्तों, लेटेंट का थर्ड एपिसोड आ चुका है और मैं आ गया हूं अलीबाग।

'जना नायकन' की एडवांस बुकिंग शुरू, 2500 तक पहुंची विजय की फिल्म टिकट की कीमत

तमिलनाडु के CM सी. जोसेफ विजय एक बार फिर अपनी फिल्म 'जना नायकन' को लेकर चर्चा में हैं, जो 7 महीने देरी के बाद सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। H. विनोथ के निर्देशन में बनी यह तमिल एक्शन थ्रिलर फिल्म राजनीति में पूरी तरह आने से पहले थलापति विजय की आखिरी फिल्म मानी जा रही है, जिसके चलते उनके फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और भी ज्यादा उत्साह है। क्योंकि फिल्म सात महीने की देरी के बाद रिलीज़ होने जा रही है तो दर्शकों के बीच भी इसे देखने के लिए बेताबी साफ देखी जा सकती है। यह फिल्म 23 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इससे पहले फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। खास बात तो ये है कि इसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। 'जना नायकन' के तमिल वर्जन के लिए ज्यादातर जगहों पर टिकट की कीमत 100 रुपये से 800 रुपये के बीच है। 15 जुलाई को ही 'जना नायकन' की रिलीज डेट पर आधिकारिक मुहर लगी है।

आमिर खान को धमकी मिलने की खबर, पुलिस ने शिकायत मिलने से किया इनकार

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान को फेसबुक पोस्ट के जरिए धमकी मिलने की खबर है। हालांकि, मुंबई पुलिस के मुताबिक, न तो एक्टर और न ही उनकी टीम ने अब तक कोई शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उन्हें मीडिया रिपोर्ट से आमिर खान को धमकी मिलने के बारे में पता चला और वे आगे की कार्रवाई करने से पहले वायरल पोस्ट की सच्चाई की जांच कर रहे हैं।

खबरों के मुताबिक, आमिर को फेसबुक पर एक पोस्ट के जरिए धमकी मिली, जो कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा था। पोस्ट में लिखा था, "मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई (लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप) हूं।" मुंबई पुलिस ने कहा है कि अब तक न तो आमिर खान और न ही उनकी टीम ने कोई शिकायत दर्ज कराई है।

सार समाचार

मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव, जॉर्डन में गूंजे सायरन, ईरान की मिसाइलों को हवा में ही किया इंटरसेप्ट

अम्मान। जॉर्डन के सरकारी प्रसारण संस्थान जॉर्डन रेडियो एंड टेलीविजन कॉरपोरेशन ने रविवार को जॉर्डन के कई इलाकों में सायरन बजने की जानकारी दी। जॉर्डन के सरकारी प्रसारण संस्थान जॉर्डन रेडियो एंड टेलीविजन कॉरपोरेशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। रिपोर्टों के अनुसार, कई मीडिया रिपोर्टों ने इजरायली सेना के हवाले से बताया कि रविवार को ईरान से दागी गई मिसाइलों की पहचान जॉर्डन के सबसे दक्षिणी तटीय शहर अकाबा की ओर जाते हुए हुई थी। इजरायली और जॉर्डन की सेनाओं ने इन मिसाइलों को बीच रास्ते में ही रोक दिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले दिन में, अम्मान स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी किया था। इसमें कहा गया था कि अकाबा का हवाई अड्डा और बंदरगाह एक 'खास और भरोसेमंद खतरे' के कारण खाली करा दिए गए हैं। दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों से अपील की थी कि वे अगली सूचना तक इन जगहों की यात्रा न करें। अमेरिकी दूतावास ने जॉर्डन में सैन्य ठिकानों से दूर रहने की अपनी चेतावनी भी दोहराई, हालांकि बाद में जॉर्डन के अधिकारियों ने अमेरिकी दूतावास के इस दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों जगह सामान्य रूप से काम कर रही हैं। जॉर्डन के सरकारी संचार मंत्री मोहम्मद अल मोमानी ने एक बयान में कहा कि संबंधित अधिकारियों ने हवाई अड्डे या बंदरगाह को खाली कराने का कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि जॉर्डन के अधिकारी तय प्रक्रिया के अनुसार ही अलर्ट जारी करेंगे, जिसमें जरूरत पड़ने पर आपातकालीन सायरन बजाना भी शामिल है। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं, जब मध्य पूर्व में तनाव काफी बढ़ गया है। अमेरिका और ईरान के बीच कई दौर में हमले हो चुके हैं।

लगातार आठवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले, हाई अलर्ट पर 50 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक

वॉशिंगटन/तेहरान। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि मध्य पूर्व में तैनात 50,000 से ज्यादा अमेरिकी सैनिक पूरी तरह सतर्क हैं। अमेरिकी सेना ने ईरान पर हमलों का एक और दौर पूरा कर लिया है। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया, "अमेरिकी हमलों की लगातार आठवीं रात हमारी सेनाओं ने ईरान की सैन्य तटीय निगरानी और हवाई रक्षा सुविधाओं, समुद्री क्षमताओं, और मिसाइल व ड्रोन रखने वाले ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। इसका मकसद ईरान की सैन्य ताकत को लगातार कमजोर करना है।" अमेरिकी सेना ने ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) को भी निशाना बनाया।

शांति समझौते का उल्लंघन ट्रंप के हस्ताक्षर को अमान्य साबित करता है: मोजतबा खामेनेई

तेहरान। अमेरिका और ईरान में जारी हमलों के बीच ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने कहा कि ईरान के साथ हाल ही में हस्ताक्षर किए गए शांति समझौते का अमेरिका की ओर से उल्लंघन किया जाना एक बार फिर यह साबित करता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साइन की कोई कीमत नहीं है और वह अमान्य है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने ईरानी मीडिया में छपे एक लेख के हवाले से बताया कि मोजतबा खामेनेई ने ईरानी लोगों के नाम एक संबोधन दिया, जिसमें अमेरिका के साथ एमओयू पर ये बयान दिया। इस संबोधन के दौरान उन्होंने देश के जरूरी मुद्दों पर बात की। खामेनेई ने कहा, "दोनों देशों के बीच एमओयू पर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और ट्रंप ने 18 जून को हस्ताक्षर किया था। अमेरिकी की तरफ से इसका उल्लंघन एक बार फिर सभी को यह बात साबित कर देता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का हस्ताक्षर कितना अमूल्य और अमान्य है।"

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने एक बार फिर अपना असली और बेपर्दा चेहरा दिखाया है। अपराध और वादे तोड़ने का यह बुरा अनुभव अमेरिका के झूठ बोलने और उसके बेतुके, गैर भरोसेमंद प्रकृति का एक और पक्का सबूत है। ईरानी सुप्रीम ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका युद्ध भड़काने वाली हरकतें जारी रखता है तो उसे ईरान से कभी न भूलने वाले सबक की उम्मीद करनी चाहिए।

ईरान और अमेरिका की ओर से हस्ताक्षर किए गए एमओयू के तहत दोनों देशों के बीच 60 दिनों के अंदर आखिरी समझौते के लिए बातचीत करने की उम्मीद थी। अमेरिका ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ कई राउंड हमले किए हैं।

जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद तनाव बढ़ा, ईरान पर भड़के ट्रंप, ताबड़तोड़ हमले

जॉर्डन में ईरान द्वारा किए गए हमले में अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने लगातार आठवीं रात ईरान से के सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर एयर स्ट्राकइक कर तबाही मचाई है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक इन हमलों का उद्देश्य जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार ईरानी फोर्स को सजा देना था। अमेरिका ने तटीय निगरानी केंद्रों, एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल भंडारण स्थलों और निर्माणाधीन डार्खोविन परमाणु ऊर्जा परियोजना को निशाना बनाया। वहीं ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन ने अमेरिका के इस हमले को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और आक्रामक कार्रवाई बताया। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सैनिकों की मौत को "बेहद दुखद" बताते हुए कहा कि इस हमले का ईरान को "तुरंत और कड़ा जवाब" दिया जाएगा। CENTCOM के अनुसार, ताजा हमलों में ईरान की वायु रक्षा प्रणाली, तटीय सैन्य ठिकानों, मिसाइल और ड्रोन भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया गया। ईरानी सरकारी मीडिया ने बंदर अब्बास और क़ेश्म द्वीप पर कई विस्फोटों की पुष्टि की है। वहीं अमेरिका के हमलों के कुछ ही घंटों बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कुवैत में मौजूद दो अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमले करने का दावा किया। ईरानी सेना के मुताबिक, कैंप उदैरी के गोला-बारूद डिपो और अली अल सलेम एयर बेस पर पैट्रियट रडार सिस्टम को निशाना बनाया गया। उधर, बहरीन की सेना ने दावा किया कि उसने ईरान के कई ड्रोन और हवाई हमलों को नाकाम कर दिया है। जॉर्डन के अकाबा शहर की ओर बढ़ रही एक मिसाइल को भी इजरायल और जॉर्डन की एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया। बता दें कि पिछले एक सप्ताह में ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष तेजी से बढ़ा है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही पर सख्ती बढ़ाई जिसके बाद अमेरिका ने कई दौर की सैन्य कार्रवाई शुरू की।

'अगर अमेरिकी सैनिक समझ जाएं मोजतबा की धमकी तो मैदान छोड़कर जाएंगे भाग', ईरान की तरफ से फिर दी गई वॉर्निंग

ईरानी पार्लियामेंट के नेशनल सिक्योरिटी कमीशन के चीफ इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई वॉर्निंग दी है।

इब्राहिम अजीजी के मुताबिक, अगर अमेरिकी सैनिक, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की हाल की 'कभी न भूलने वाले सबक' वाली बात का मतलब सही से समझ गए, तो मिडिल-ईस्ट से भागने में वे एक भी पल नहीं गंवाएंगे।

अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच, इब्राहिम अजीजी ने एक X पोस्ट में लिखा, 'अगर अमेरिका के सैनिक सच में यह समझ गए कि हमारे समझदार सुप्रीम लीडर का कभी न भूलने वाले सबक का क्या मतलब है, तो वे भागने में एक भी पल बर्बाद नहीं करेंगे।'

दरअसल, इब्राहिम अजीजी का बयान ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा के उस स्टेटमेंट के बाद आया, जिसमें मोजतबा ने चेतावनी दी कि अमेरिका को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

गौरतलब है कि मोजतबा खामेनेई ने ईरान की जनता को संबोधित करते हुए अमेरिका पर तीखा जुबानी हमला बोला और उसे 'बड़ा शैतान' बताया। साथ ही, मोजतबा ने 17 जून, 2026 को हुए 14 सूत्री अंतरिम शांति समझौते पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को 'पूरी तरह से बेकार' बताया।

इसके अलावा, मोजतबा ने वॉर्निंग दी कि अगर अमेरिका, ईरान पर हमले जारी रखता है तो ईरान और उसका Resistance Front उसे कभी ना भूलने वाला सबक सिखाएं। जान लें कि 17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच हस्ताक्षर हुए अंतरिम शांति समझौते के 1 महीने के अंदर ही दोनों देश भीषण जंग की तरफ बढ़ गए हैं। इस दौरान, दोनों कई रेड लाइन क्रॉस की।

चीन-तुर्की की करीबी पर बिफरी निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार, एर्दोगन के देश को दिलाई उइगर-तुर्क मुसलमानों की याद

निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार ने चीन और तुर्की के बीच हाल में हुई बातचीत की कड़ी आलोचना की है। निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार के आरोप के मुताबिक, तुर्की, ईस्ट तुर्किस्तान में उइगर और अन्य तुर्क समुदायों की कीमत पर चीन के साथ अपने सुरक्षा सहयोग को बढ़ा रहा है। जान लें कि निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार की तरफ से यह आलोचना बीते 16 जुलाई को तुर्की की उप विदेश मंत्री बेरिस एकिन्सी और चीन के उप विदेश मंत्री मियाओ देयू के बीच हुई मीटिंग के बाद आई है। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, कानून प्रवर्तन और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में चीन और तुर्की सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं। इस दौरान, तुर्की ने 'वन चाइना' पॉलिसी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। साथ ही, पुष्टि की कि तुर्की की जमीन का इस्तेमाल चीन की 'संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता' के विरुद्ध नहीं किया जाएगा।

तुर्की और चीन की मिठास पर रिएक्शन देते हुए, निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार ने X पर पोस्ट किए गए एक स्टेटमेंट में कहा कि ये बातचीत उइगर, किर्गिज, कजाख और अन्य तुर्की लोगों के साथ दशकों से चले आ रहे धोखे की कड़ी में एक और स्टेप है। निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार के आरोप के मुताबिक, उइगर समुदाय के लोग ईस्ट तुर्किस्तान में चीन के नरसंहार और औपनिवेशिक कब्जे का शिकार हो रहे हैं।

निर्वासित सरकार ने यह भी कहा कि उसके विदेश और सुरक्षा मंत्री, सालेह हुदयार, ने हाल में अटलांटिक काउंसिल की तरफ से आयोजित एक प्रोग्राम के बाद तुर्की के उप-विदेश मंत्री लेवेंट गुमरुकु से मीटिंग की थी। खबरों के अनुसार, इस मीटिंग में सालेह हुदयार ने तुर्की से आग्रह किया कि वह पूर्वी तुर्किस्तान की आवाज बने और चीन के साथ अपना खुफिया और सुरक्षा सहयोग खत्म करे। निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार के दावे के अनुसार, यह सहयोग 1996 से चल रहा है। निर्वासित ईस्ट तुर्किस्तान सरकार ने तर्क दिया कि पूर्वी तुर्किस्तान, तुर्क लोगों की मातृभूमि है।

कुवैत में गोला-बारूद डिपो और एयरबेस पर ईरान का आत्मघाती ड्रोन से भीषण हमला

मिडिल-ईस्ट के तनाव में तेजी के बीच, ईरान ने ऐलान किया है कि उसने कुवैत में अमेरिकन मिलिट्री के 2 ठिकानों पर निशाना बनाया है और टारगेटेड ड्रोन से हमले किए हैं। बड़ी बात ये है कि ईरान ने इस सैन्य ऑपरेशन को ईरानी जमीन पर अमेरिका के हमलों का सीधा जवाब बताया है। इससे पहले, ईरान, इराक और जॉर्डन में हमले कर चुका है। ईरान के सरकारी मीडिया के बयान के मुताबिक, ईरानी सेना ने पुष्टि की कि उसके ताजा मिलिट्री ऑपरेशन में कुवैत में कैंप उदैरी पर अमेरिकी फौज के गोला-बारूद डिपो पर बड़े हमले किए गए। इसके अलावा, अली अल सलेम एयरबेस पर पैट्रियट रडार सिस्टम और एयर सर्विलांस रडार के विरुद्ध आत्मघाती ड्रोन से बड़े पैमाने पर अटैक को अंजाम दिया गया।

बता दें कि ईरान का कुवैत पर यह हमला शनिवार और रविवार की दरमियानी रात को ईरान पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद किया गया। वहीं, पेंटागन ने कहा कि अमेरिका की तरफ से यह मिलिट्री ऑपरेशन जॉर्डन में एयरबेस पर मिसाइल हमले के बाद शुरू किया गया, जिसमें दो अमेरिकी सैनिक मारे गए थे।

एक सैनिक लापता हो गया था और 4 अन्य सैनिकों को हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, इन जवाबी पलटवार का मकसद ईरान के IRGC को तेजी से सजा देना और रणनीतिक Strait of Hormuz से तेल टैंकरों के आवागमन को रोकने की ईरान की ताकत को और कम करना था। गौरतलब है कि बॉर्डर पार यह मिलिट्री एक्शन ऐसे वक्त में हुआ है जब मध्य-पूर्व के इलाके में अस्थिरता लगातार बढ़ रही थी।

ईरान में नहीं हैं मुज्तबा खामेनेई? रिपोर्ट का दावा- 'तख्तापलट की चल रही साजिशें'

सऊदी के समाचार चैनल 'अल-हदाथ' ने एक इजरायली सुरक्षा सूत्र के हवाले से बताया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई "ईरान में नहीं हैं"। मुज्तबा खामेनेई ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य हमलों में अपने पिता की मौत के तुरंत बाद ईरान के सर्वोच्च नेता का पद संभाला था। हालांकि मुज्तबा पद संभालने के बाद से सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं और केवल लिखित बयानों के जरिए ही बातचीत की है। 'अल-हदाथ' द्वारा बताए गए सूत्र के अनुसार, मुज्तबा खामेनेई के आधिकारिक संदेश हाल ही में नियुक्त इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) प्रमुख अहमद वाहिदी और IRGC के अन्य वरिष्ठ सदस्यों द्वारा तैयार किए जाते हैं। इजरायली सुरक्षा सूत्र ने कहा, "ईरान में आंतरिक मतभेद गहरे हैं और ये इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अस्तित्व के लिए खतरा हैं।" इसके अलावा, इजरायली सूत्र ने कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि इजरायल, ईरान के खिलाफ जवाबी हमलों में शामिल हो, भले ही तेहरान इजरायली क्षेत्र पर हमला करे। ये गंभीर आंतरिक मतभेद तेहरान की सड़कों पर भी दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ऐसी खबरें हैं कि तेहरान में सत्ता के लिए एक बड़ा आंतरिक संघर्ष शुरू हो गया है, जिससे देश के अति-कट्टरपंथी गुट, ज्यादा उदारवादी प्रशासन से अलग हो गए हैं। CNN की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में कट्टरपंथी तत्व सत्ताधारी नेतृत्व पर अमेरिका के साथ 14-सूत्रीय राजनयिक समझौते के बाद "सॉफ्ट कूप" (बिना हिंसा के सत्ता परिवर्तन की कोशिश) करने का आरोप लगा रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी गुटों का मानना है कि सरकार ने दिवंगत नेता खामेनेई की हत्या का बदला लेने के बजाय, उनके स्पष्ट निर्देशों का उल्लंघन करने वाले समझौते पर हस्ताक्षर करके प्रभावी रूप से आत्मसमर्पण कर दिया है। अमेरिका स्थित ईरानी शोधकर्ता अराश अजीजी ने सीएनएन को बताया, "मुज्तबा की निरंतर अनुपस्थिति का अर्थ है कि कट्टरपंथियों की उन तक पहुंच नहीं है और ग़ालिबफ़ और उनके सहयोगी प्रभावी रूप से देश के प्रभारी हैं। इसलिए अति-कट्टरपंथियों ने ग़ालिबफ़ और पेजेश्कियन पर मुज्तबा के खिलाफ 'तख्तापलट' की साजिश रचने का आरोप लगाया है।" एक कट्टरपंथी सांसद महमूद नबावियन ने खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले सवाल उठाते हुए कहा, "ईरान की जनता को चेतावनी, क्या तख्तापलट होने वाला है?" वहीं समारोहों के बाद, उन्होंने पोस्ट किया, "शहीद इमाम (खामेनेई) को विदाई के इन क्षणों में, हम उनके रक्त का बदला लेने का झंडा बुलंद करते हैं और तख्तापलट के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं।"

मजबूत एयर डिफेंस के बावजूद ईरान की सारी मिसाइलें क्यों नहीं रोक पा रहा अमेरिका? किया गया ये बड़ा दावा

अमेरिका और ईरान के बीच अब फुल स्केल युद्ध शुरू हो गया है। ईरान ने अमेरिका के साथ समझौते से पीछे हटने का ऐलान कर दिया है तो उधर, अमेरिका लगातार ईरान के मिलिट्री और सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को तबाह कर रहा है। ईरान भी कुवैत से लेकर जॉर्डन तक मिसाइल हमले से कहर बरपा रहा है। इस बीच, अमेरिका की चिंता बढ़ गई है क्योंकि वह ईरान की सारी मिसाइलें नहीं रोक पा रहा है। जानें इसको लेकर क्या नया दावा किया जा रहा है। अमेरिकी अखबार WSJ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने के लिए अपनी मिसाइल रणनीति में बदलाव किया है।

» ईरानी मिसाइलें अब बेहद तेज गति से उड़ान भर रही हैं।

» ये मिसाइलें लक्ष्य से ठीक पहले अचानक दिशा बदलने में सक्षम हैं, जिससे उन्हें रोकना अधिक कठिन हो जाता है।

अमेरिकी रक्षा विभाग, इस बात को लेकर चिंतित है कि ईरान संवेदनशील सैन्य ठिकानों को काफी सटीकता के साथ निशाना बना रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नई रणनीति अमेरिकी एयर डिफेंस के लिए चुनौती बन रही है। गौरतलब है कि ईरान ने अपने ताजा हमले में अमेरिका को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया है। ईरान ने जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर मिसाइल अटैक किया है। इस हमले में 2 अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने की खबर है, जबकि एक अमेरिकी सैनिक लापता है। इसके अलावा, कई सैनिकों के घायल होने की भी खबर है। ईरान की तरफ से एक के बाद एक कई बैलेस्टिक मिसाइलें जॉर्डन के मुवफ्फक साल्टी एयरबेस पर दागी गईं। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है।

ईरान का जॉर्डन के मुवफ्फक साल्टी एयरबेस पर मिसाइल से हमला, 2 अमेरिकी सैनिकों की मौत

मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जंग लगातार भीषण होती जा रही है। ईरान ने बीते शनिवार को जॉर्डन पर जोरदार हमला किया। इस हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई है और कई घायल हैं। 1 सैनिक लापता भी बताया जा रहा है। ये हमला मुवफ्फक साल्टी एयरबेस पर किया गया। ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों से एयरबेस पर अटैक किया था। बताया जा रहा है कि ईरानी मिसाइल ने सैनिकों के सोने की जगह को निशाना बनाया, जो बेस का सबसे संवेदनशील हिस्सा होता है। इस हमले में अमेरिकी एयरबेस को भारी नुकसान हुआ है।

बता दें कि जिस वक्त ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें हवा में रोकने की पूरी कोशिश की लेकिन ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल बच निकली और मुवफ्फक साल्टी एयरबेस पर कंटेनर से बने घरों से जा टकराई।

इस हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। एक सैनिक अभी भी लापता है और चार को इलाज के लिए एयरलिफ्ट करके ले जाया गया। जान लें कि जॉर्डन के मुवफ्फक साल्टी एयरबेस पर अमेरिकी सेना और फाइटर जेट तैनात हैं। इसपर हुए हमले में 2 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई है। इस हमले के बाद अब अमेरिका ने भी ईरान पर हमले तेज कर दिए हैं। पेंटागन को आदेश दिया गया है कि ईरान को इस हमले का जवाब दिया जाए। गौरतलब है कि जॉर्डन के साथ ही ईरान ने कुवैत पर भी जोरदार हमला किया है।

SPORTS NEWS

Joe Root scripts history, surpasses Jos Buttler with sublime performances against India in ODI series

England put forth a sensational performance in the third and final ODI of the ongoing series between the two sides. The teams met at the Lord's Cricket Ground in London for the clash, and England came out to bat after winning the toss. Jacob Bethell and Ben Duckett put forth some good showings, scoring 141 and 91 runs, respectively. Furthermore, the performance of Joe Root stood out once more; coming out to bat after the fall of the first wicket, Root amassed 74* runs in 48 deliveries. Doing so, the veteran batter became the highest run-getter in the history of a bilateral series while staying unbeaten. After scoring 76*, 99* and 74* runs in three ODIs against India, Root surpassed Jos Buttler and has the highest runs in a bilateral series while staying unbeaten. Speaking of the game, England came in to bat first, and it became clear that the side had a clear plan in mind. The performances saw the hosts post a mammoth total of 387 runs in the first innings.

Rohit Sharma and Virat Kohli overtake Dilshan-Sangakkara in elite list with solid partnership against England

India took on England in the third and final ODI of the ongoing series between the two sides. The teams took centre stage at the Lord's Cricket Ground in London on July 19th, and the game began with England batting first and posting a total of 388 runs in the first innings. Chasing down the target, it was the performance of Rohit Sharma that stood out. Opening the innings, the veteran batter smashed his 51st international century and went on to score 138 runs in 110 deliveries, shutting down his critics and even shutting down the recent retirement talks. It is worth noting that Rohit and Kohli built a solid partnership in the second innings as well, building a partnership of 113 runs as they put England in a spot of bother in the second innings. Doing so, the duo also surpassed former Sri Lanka players Tilakratne Dilshan and Kumar Sangakkara in the list of players with the most 100+ partnerships in ODI cricket. Both Rohit and Kohli have now built 100+ run partnerships in ODIs 21 times, surpassing Dilshan and Sangakkara's tally of 20. With Rohit Sharma dismissed on a score of 138 runs, the responsibility falls on the shoulders of veteran batter Virat Kohli.

Rohit Sharma's masterclass in vain as England register 27-run victory to clinch ODI series against India

India and England took on each other in the third and final ODI of the ongoing series between the two. The sides met at the Lord's Cricket Ground in London on July 19th, and it was England who emerged victorious in the game as they registered a dominant 27-run victory. The clash began with England coming in to bat first after winning the toss. The side opened its innings with Jacob Bethell and Ben Duckett coming out to bat. The two stars performed brilliantly as they scored 91 and 141 runs, respectively. Furthermore, the duo of Joe Root and Jos Buttler performed exceptionally well. While Root amassed 74* runs in 48 deliveries, Buttler scored 41* runs in 13 deliveries. England managed to post a mammoth total of 387 runs in the first innings of the game. As for India, Prasidh Krishna was the highest wicket-taker with two wickets to his name. Prince Yadav took one wicket, and the Men in Blue had a forgettable day with the ball. Coming out to chase down the huge target, Rohit Sharma and Shubman Gill came out to bat. The two stars got off to a good start to the game. While Gill amassed 77* runs in 84 deliveries, Rohit went on to shut down his critics and scored 138 runs in 110 deliveries. Ishan Kishan scored 14 runs in 12 deliveries, whereas Shreyas Iyer departed on a duck. As for England, Sam Curran was the highest wicket-taker with four wickets to his name.

Spain crowned FIFA World Cup champion after Ferran Torres secured 107th minute win vs 10-man Argentina

Spain lifted their second FIFA World Cup, courtesy of a 106-minute strike from Ferran Torres to secure a 1-0 victory over 10-man Argentina in the final at New York New Jersey Stadium on Monday morning. Torres finished from close range after Nico Williams headed a deep cross back across goal. The breakthrough came minutes after Argentina midfielder Enzo Fernandez was sent off for a second bookable offence in stoppage time at the end of normal time, leaving the defending champions to play extra time with 10 men. Spain dominated possession throughout the match but struggled to break down Argentina's disciplined defence until the decisive moment. Luis de la Fuente's side controlled more than 60 percent of the ball in the opening half, while Argentina failed to register a shot on target in the entire match. Argentina goalkeeper Emiliano Martinez kept his side in contention with a series of saves.

11 in total, which is the most in a FIFA World Cup final.

He denied Marc Cucurella late in the first half, pushed away Lamine Yamal's stoppage-time free kick at the end of regulation and produced further stops from Nico Williams, Pedri and Pau Cubarsi during the second half and extra time. Meanwhile, Spain thought they had taken the lead in the 96th minute when Williams converted from close range, but the goal was ruled out after a foul in the build-up.

However, the European champions continued to press, with Mikel Merino heading wide from a clear chance before Williams created the winning goal moments later. Lionel Messi found little space against Spain's defence and was unable to inspire Argentina's attack, which spent long periods pinned inside its own half.

The defending champions relied on resolute defending and Martinez's goalkeeping as they attempted to force a penalty shootout. The changes indicated that all the attackers, except Messi, were eventually subbed off for defenders. The victory ended Spain's 16-year wait for another World Cup title after its triumph in 2010. Argentina's bid to retain the trophy came to an end despite another deep tournament run. Spain are FIFA World Cup champions once again after defeating Argentina 1-0 in a dramatic extra-time final at New York New Jersey Stadium on Monday.

Lionel Messi looks inconsolable after FIFA World Cup final, cries heart out after collecting silver medal

Spain won the FIFA World Cup title with a 1-0 extra-time victory over Argentina. It is their second title in history, which ended the defending champions' reign and denied Lionel Messi another World Cup triumph.

The decisive moment arrived early in the second period of extra time when substitute Ferran Torres reacted quickly following a brilliant back-heeled pass from Nico Williams. He converted the chance after missing plenty in the second half and it also ended a tense contest that saw Argentina struggle to make any sort of impact.

Notably, their task had become significantly more difficult before extra time began. Midfielder Enzo Fernandez was sent off in stoppage time of normal time after receiving a second booking, leaving Lionel Scaloni's side to play the remainder of the match with 10 men. The numerical disadvantage compounded Argentina's struggles in attack. The South American side failed to produce a single attempt, either on or off target, until the 115th minute, allowing Spain to maintain control before finally finding the breakthrough.

Meanwhile, the defeat brought an emotional end to Argentina's title defence. After the final whistle, captain Lionel Messi was seen in tears as supporters around the stadium applauded him, chanted his name and displayed tribute placards in recognition of his contribution during another World Cup campaign. After collecting his silver medal, he was inconsolable as he looked very disturbed. Although Argentina fell short of retaining the trophy, Messi added two more milestones to his international career. Spain's victory also delivered a landmark achievement for head coach Luis de la Fuente.

FIFA World Cup final ends in utter chaos, Leandro Paredes sent off after final whistle

Spain's FIFA World Cup triumph over Argentina was overshadowed by a mass confrontation after the final whistle. Argentina's Leandro Paredes was sent off following the match and defender Nahuel Molina was spotted throwing a punch during chaotic scenes at New York New Jersey Stadium in the early hours of Monday. Television footage showed players from both teams converging moments after Spain secured a 1-0 extra-time victory.

Paredes became involved in an altercation with Spain midfielder Gavi before receiving a red card after the match.

Molina also appeared to swing at Spain midfielder Rodri as players and staff attempted to separate those involved. The incident erupted as Spain's players celebrated winning their second World Cup title, while Argentina's defeat ended its bid to defend the trophy.

Former England captain Alan Shearer condemned the scenes during the broadcast. Former England defender Gary Neville also criticised Paredes' conduct. "I love the competitiveness of the Argentines but Paredes has been a disgrace the last couple of games," Neville said.

Why is Lautaro Martinez not starting for Argentina in FIFA World Cup 2026 final against Spain?

Lautaro Martinez was on the bench as he missed out on starting for Argentina in their FIFA World Cup 2026 final against Spain on Sunday, July 19 (local time). The Inter Milan striker scored the winning goal for La Albiceleste in the semifinal against England after coming in as a late substitute in the 81st minute.

Meanwhile, Martinez missed out on starting once again as Lionel Scaloni went with Julian Alvarez yet again. The 28-year-old started for the defending champions in the first four matches but has been on the bench for the remainder of the games in the tournament due to a tactical decision. He decided to bring in Rodrigo De Paul, Nico Gonzalez and Gonzalo Montiel for the final in New Jersey. Argentina made three changes in total for the 2026 final.

List of awards won in FIFA World Cup 2026, Netherlands handed fair play award

Spain were crowned FIFA World Cup champions for the second time after Ferran Torres scored an extra-time winner in a 1-0 victory over Argentina in New York. They dominated the tournament throughout and ended with a clean sweep of the major individual honours and a defensive record unmatched by any champion in recent history. Notably, Torres struck in the 107th minute at New York New Jersey Stadium after Nico Williams headed a cross back into his path, finally breaking Argentina's resistance in a final that remained goalless through 90 minutes. Spain also capitalised on its numerical advantage after Argentina midfielder Enzo Fernandez was sent off late in normal time. Meanwhile, the victory marked Spain's first World Cup triumph since 2010 and only their second overall title. Luis de la Fuente's side finished the tournament having conceded just one goal, underlining a campaign built on disciplined defending, midfield control and relentless possession. Spain defeated Portugal, Belgium, France and Argentina in the knockout rounds, with goalkeeper Unai Simon keeping another clean sheet in the final, which is phenomenal, to say the least. Their dominance was eventually reflected in the post-tournament awards.

Ben Duckett surpasses Sir Vivian Richards in elite list with magnificent century

India and England took on each other in the third ODI of the ongoing series. The two sides met at the Lord's Cricket Ground in London on July 19th, and the clash began with England coming in to bat first after winning the toss. The hosts opened their innings with Ben Duckett and Jacob Bethell coming out to bat. While India hoped for a good performance with the ball, the duo of Bethell and Duckett completely dominated the Men in Blue, building a partnership of 192 runs. While Bethell was dismissed on a score of 91 runs, Duckett went on to complete his century, as he scored 141 runs in 135 deliveries. Doing so, Duckett went on to surpass former West Indies cricketer Sir Vivian Richards in the list of players with the highest individual score at the Lord's Cricket Ground in ODI cricket.

डॉक्टर ने बताया राजगिरा क्यों है सुपरफूड, सही तरीके से खाएंगे तो मिलेंगे कई बेहतरीन फायदे

राजगिरा यानी अमरंथ के अनाज का इस्तेमाल अक्सर व्रत में किया जाता है। लेकिन गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि यह अनाज आने वाले समय में सुपरफूड बन सकता है। यह नेचुरली ग्लूटेन फ्री होने के साथ प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और फाइबर से भरपूर है और इसमें 9 एसेंशियल अमीनों एसिड पाए जाते हैं। इसमें मौजूद एक अमीनों एसिड लाइसिन, कोलेजन फॉर्मेशन, कैल्शियम अब्सॉर्प्शन, टिशू रिपेयर और मसल्स रिकवरी के लिए बहुत जरूरी होता है। एक कप पकाए हुए राजगिरा में 9 ग्राम प्रोटीन होता है और 5 ग्राम फाइबर मिलता है। यानी यह अनाज आपको एक साथ कई फायदे दे सकता है। चलिए जानते हैं इसके फायदे और सेवन का सही तरीका?

पाचन करता है बेहतरः अमरंथ आपके पाचन प्रक्रिया को बेहतर करने में बेहद लाभकारी है। इसमें मौजूद फाइबर कॉन्स्टिपेशन और ओवर ईटिंग दोनों को कंट्रोल करने में मददगार है।

प्रोटीन और फाइबर का संतुलनः राजगिरा में प्रोटीन और फाइबर दोनों प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराते हैं और बार-बार भूख लगने की समस्या को रोकते हैं।

हड्डियां बनती हैं मजबूतः राजगिरा , कैल्शियम और मैग्नीशियम से भरपूर होने की वजह से हड्डियों को मजबूत बनाता है। यह अनाज ऑस्टियोपोरोसिस को कम करने में भी अत्यधिक प्रभावी हैं।

ब्लड शुगर करता है कन्ट्रोलः अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो इसका डाइट मे जरूर सेवन करें। राजगिरा कार्ब्स के अब्सॉर्प्शन को स्लो डाउन कर के ब्लड शुगर स्पाइक को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह पूरी तरह से ग्लूटेन फ्री है, जिससे यह ग्लूटेन संवेदनशीलता वाले मधुमेह रोगियों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प बन जाता है। राजगिरा के अनाज का सेवन आप आटे के फॉर्म में कर सकते हैं। आप इसका आटा अपने रेगुलर आटे में मिलाकर इसका सेवन करें। इसके अलावा आप इसे दलिया के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके साबुत दानों को दूध में पकाकर ड्राई फ्रूट्स के साथ आप इसका सेवन खीर की तरह भी कर सकते हैं। हालांकि, इसकी रोटियां बेहद फायदेमंद मानी जाती है। हृदय स्वास्थ्य की दृष्टि से भी राजगिरा एक उपयोगी अनाज माना जाता है।

प्रोस्टेट कैंसर की देर से पहचान बन सकती है गंभीर परेशानियों की वजह, एक्सपर्ट ने बताए बड़े खतरे

भारतीय पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर बन गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, चुनौती केवल प्रोस्टेट कैंसर के बढ़ते मामलों की नहीं है, बल्कि बीमारी की पहचान में होने वाली देरी भी बड़ी चिंता है। पश्चिमी देशों में नियमित स्क्रीनिंग के जरिए प्रोस्टेट कैंसर का शुरुआती चरण में पता चल जाता है, लेकिन भारत में कई मरीज तब डॉक्टर के पास पहुंचते हैं जब कैंसर प्रोस्टेट से बाहर फैल चुका होता है। ऐसे मामलों में कैंसर हड्डियों और रीढ़ की हड्डी तक पहुंच सकता है, जिससे गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। सर गंगा राम अस्पताल के यूरो-ऑन्कोलॉजिस्ट और रोबोटिक सर्जन डॉ. अश्विन मलाया ने कहा, " पहले प्रोस्टेट कैंसर के ज्यादातर मरीज बड़े शहरों से आते थे, लेकिन अब छोटे शहरों से भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। यह जागरूकता बढ़ने का संकेत है, लेकिन कई पुरुष अब भी बीमारी के काफी बढ़ जाने के बाद इलाज के लिए पहुंचते हैं। डॉ. अश्विन मलाया कहते हैं कि, जब प्रोस्टेट कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में फैलता है तो यह अक्सर रीढ़ की हड्डी को प्रभावित कर सकता है।

इससे कमर दर्द, पैरों में कमजोरी, चलने में परेशानी, सुन्नपन या झुनझुनी और पेशाब या मल पर नियंत्रण खत्म होना गंभीर संकेत हो सकते हैं। ये लक्षण रीढ़ की हड्डी पर दबाव यानी स्पाइनल कॉर्ड कम्प्रेशन की ओर इशारा कर सकते हैं, जो एक मेडिकल इमरजेंसी है। डॉक्टर कहते हैं कि लगातार पेशाब संबंधी समस्याओं, हड्डियों में दर्द या लंबे समय से बने कमर दर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि परिवार में प्रोस्टेट कैंसर का इतिहास रहा हो, तो इससे पहले भी जांच की आवश्यकता हो सकती है। समय पर जांच ही प्रोस्टेट कैंसर के न्यूरोलॉजिकल नुकसान से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है।

किस समय पीना चाहिए जायफल का पानी?

क्या आपने कभी जायफल का पानी पिया है? अगर नहीं, तो जायफल के पानी के कुछ कमाल के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानकर आप भी औषधीय गुणों से भरपूर इस ड्रिंक को अपने डेली डाइट प्लान में शामिल कर लेंगे। आपको बता दें कि जायफल के पानी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जिसकी वजह से ये ड्रिंक आपकी ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। जायफल के पानी को रात के समय पीना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

रात में रेगुलरली जायफल का पानी पीकर आप अपनी नींद की गुणवत्ता को काफी हद तक सुधार सकते हैं। एक महीने तक हर रोज एक गिलास जायफल का पानी पीकर सोएं और खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखें।

जायफल के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी मेंटल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जायफल का पानी स्ट्रेस और एंग्जायटी जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है। जायफल का पानी पीकर आप रिलैक्स महसूस कर पाएंगे। जायफल का पानी पीकर आप पेट से जुड़ी तमाम समस्याओं से भी छुटकारा पा सकते हैं। ये नेचुरल ड्रिंक आपकी गट हेल्थ को सुधार सकती है। इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए भी इस ड्रिंक का सेवन किया जा सकता है।

अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं तो हर रोज नियम से जायफल का पानी पीना शुरू कर दीजिए। इसके अलावा जायफल के पानी में पाए जाने वाले तत्व दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने में भी असरदार साबित हो सकते हैं।

हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर देता है इस तरह के संकेत, डॉक्टर बिमल छाजेर ने दी जरूरी चेतावनी

आजकल की बदलती जीवनशैली में देश में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अब कम उम्र के युवा भी हार्ट अटैक की चपेट में तेजी से आ रहे हैं।

ऐसे में साओल हार्ट सेंटर के संस्थापक, एमबीबीएस और एमडी, डॉक्टर बिमल छाजेर, बता रहे हैं कि हार्ट अटैक से एक महीने पहले शरीर के किस तरह के संकेत दिखते हैं जिसे पहचानकर अपना बचाव कर सकते हैं।

छाती में तकलीफः अगर छाती में अचनाक से बहुत ज्यादा डिस्कंफर्ट या प्रेशर फील होता है तो यह एक लक्षण हो सकता है। अगर पहले ऐसा नहीं होता था लेकिन इस बीच कभी कभी चेस्ट में टाइटनेस, प्रेशर, हेविनेस या जलन जैसा महसूस हो रहा है लेकिन थोड़ी देर के बाद ठीक हो जा रहा है तो इसे हलके में न लें। यह हार्ट की बीमारी का पैटर्न है इसलिए तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

सांस का फूलनाः अगर जरा भी चलने पर सांस फूलने की समस्या हो रही है, चलते समय अगर आप बोल रहे हैं और सांस फूल रही है या फिर सीढ़ियां चढ़ने पर भी हांफने लगते हैं तो इसे चेतावनी की तरह माने। खासकर, यह ओल्ड ऐज और डायबिटीज वालों को यह समस्या ज्यादा होती है।

थक जानाः अगर आप बहुत जल्दी थक जा रहे हैं तो यह भी एक लक्षण हो सकता है। अगर रूटीन काम करते हुए भी आपको यह लगे कि बॉडी साथ नहीं दे रहा है तो हो सकता है कि आप दिल के मरीज बन गए हों इसलिए एक बार डॉक्टर को जरूर दिखाएं

दोनों हाथों में दर्दः अगर आपको दोनों हाथ में, गर्दन में, जबड़े में, कंधों के आसपास या फिर बैक साइड में रह कर दर्द होता है तो इसे सामान्य समझने की गलती न करें। यह भी हार्ट अटैक का एक साइलेंट संकेत हैं।

कोल्ड स्वेटिंगः अगर आपको ठंड में भी पसीना आ रहा है तो यह भी एक लक्षण हो सकता है। भूक नहीं लग रहा, चक्कर आ रहा है आपको अक्सर उल्टी जैसा महसूस हो रहा है तो यह भी कमजोर हार्ट का सिंगल है।

नींद बार बार टूटनाः अगर आपकी नींद बार बार टूट रही है या आपको जल्दी नींद नहीं आ रही है तो यह भी हार्ट अटैक के लक्षणों में से एक है। अगर आपको महीने में ऐसा कई बार हो रहा है तो आपको डॉक्टर से जरूर मिलना चाहिए।

पाचन तंत्र से लेकर वजन घटाने तक में कारगर है हींग का पानी, यहां जानें सुबह खाली पेट पीने के फायदे

हींग को भारतीय रसोई की शान कहा जाता है। ये सिर्फ दाल और सब्जियों में तड़का लगाने के काम ही नहीं आती, बल्कि यह सेहत का खजाना भी है। आयुर्वेद में हींग को औषधि माना गया है।

अगर आप अपने दिन की शुरुआत चाय या कॉफी के बजाय सुबह खाली पेट 'हींग के पानी' से करते हैं, तो यह आपके शरीर के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। आयुर्वेद में हींग को उसके पाचक और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। जब आप अपने दिन की शुरुआत इस हल्के गुनगुने पानी के साथ करते हैं, तो यह आपके शरीर को अंदर से साफ करने और कई समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। ऐसे में चलिए जानते हैं सुबह खाली पेट हींग का पानी पीने से क्या क्या फायदे होते हैं। आज के समय में गलत खान-पान के कारण गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग बेहद आम समस्याएं हैं।

हींग में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो पाचक एंजाइमों को सक्रिय करते हैं। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से पेट का भारीपन कम होता है और पाचन क्रिया दुरुस्त होती है।

अगर आप बढ़ते वजन या सुस्त मेटाबॉलिज्म से परेशान हैं, तो हींग का पानी एक बेहतरीन डिटॉक्स ड्रिंक साबित हो सकता है। यह शरीर के मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाता है, जिससे कैलोरी तेजी से बर्न होती है। यह शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है, जिससे फैट बर्निंग प्रोसेस तेज होता है। हींग में इंसुलिन के डिस्चार्ज को बढ़ाने वाले गुण होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करते हैं।

विटामिन सी की कमी पूरी करने के लिए कौन सा जूस पीना चाहिए, वजन घटाने, इम्यूनिटी बढ़ाने में मिलेगी मदद

शरीर को स्वस्थ रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए विटामिन सी बहुत जरूरी पोषक तत्व है। विटामिन सी कोलेजन के उत्पादन, घाव भरने, आयरन को शरीर तक पहुंचाने और त्वचा को हेल्दी रखने में मदद करता है। विटामिन सी को हमारा शरीर स्टोर नहीं करता, इसलिए रोजाना अपनी डाइट में कुछ विटामिन सी से भरपूर चीजें शामिल करें। सप्लीमेंट्स से बेहतर होगा कि जूस, फल, सब्जियों से विटामिन सी की कमी को पूरा करें। ऐसे कई फल हैं जिनका जूस पीने से विटामिन सी की कमी पूरी होती है। डाइटिशियन स्वाति सिंह की मानें तो बैलेंस डाइट के साथ कुछ ऐसी चीजों को नियमित खाएं जिससे विटामिन सी की कमी पूरी हो सके। इसके लिए विटामिन सी से भरपूर फल या उनका जूस डाइट में शामिल करें।

संतरे का जूस- विटामिन सी के मुख्य और प्राकृतिक स्रोतों में से संतरा सबसे आगे है। रोजाना 1 गिलास संतरे का रस पीने से विटामिन सी की कमी को पूरा किया जा सकता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाव में सहायक होते हैं। इसके लिए ताजा संतरे का जूस पीएं। बाजार वाले पैक्ड मीठे जूस पीने से फायदा नहीं मिल पाएगा।

आंवला का रस- ताजा आंवले का रस पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे आपकी पूरे सेहत में सुधार आता है। आंवला एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। इसके लिए ताजा आंवले का सेवन करें। आंवले का स्वाद तेज और खट्टा होता है। आप इसके जूस में काला नमक डालकर पी सकते हैं। आंवला में दूसरे फलों से ज्यादा विटामिन सी होता है।

जानिए किन चीजों को खाने से पूरी होती है Vitamin E की कमी

शरीर को बेहतर तरीके से काम करने के लिए सभी विटामिन और मिनरल की जरूरत होती है। अगर कोई भी विटामिन कम होने लगता है तो इससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ऐसा ही जरूरी विटामिन है Vitamin E, जो वसा में घुलनशील होता है। विटामिन ई सेहत के लिए जरूरी एंटीऑक्सिडेंट है जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाने और इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए जरूरी है। विटामिन ई हार्ट में क्लॉटिंग होने से बचाने के लिए जरूरी है। शरीर में विटामिन ई की कमी हो जाए तो ये लक्षण नजर आते हैं।

हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट की मानें तो 14 साल या उससे ज्यादा की महिला और पुरुषों को रोजाना 15 मिलीग्राम विटामिन ई का सेवन करना जरूरी है। फीड कराने वाली महिलाओं को रोजाना 19 मिलीग्राम विटामिन ई की जरूरत होती है। जो लोग प्रोपर हेल्दी डाइट नहीं लेते हैं उनके शरीर में विटामिन ई की कमी हो सकती है।

कई बार जेनेटिक कारण से भी शरीर में विटामिन ई की कमी से होने वाली समस्याएं आने लगती हैं। परिवार में किसी को विटामिन ई की कमी या उससे जुड़े रोग हुए हैं तो आपको खतरा हो सकता है। पुरानी अग्नाशयशोथ, सीलिएक डिजीज, कोलेस्टेटिक लीवर डिजीज, सिस्टिक फाइब्रोसिस की समस्याएं भी इसका कारण बन सकती हैं।

एक दिन में सिर्फ 2 इलायची चबाने से सेहत को मिलेंगे ये ज़बरदस्त फायदे

इलायची सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाती बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी पाए जाते हैं।

यह वात, पित्त और कफ को संतुलित करने में मदद करती है। प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने पाचन में सुधार से लेकर श्वसन क्रिया को बढ़ाने तक हर चीज़ के लिए इसका इस्तेमाल किया। रात में सोने से पहले सिर्फ दो इलायची का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद है। चलिए जानते हैं इसके फायदे?

पाचन में सुधारः इलायची पाचन लाभों के लिए जानी जाती है। अगर भोजन के बाद पेट फूला हुआ या बेचैनी महसूस है, तो इलायची चबाने से तुरंत राहत मिल सकती है। रात में सोने से पहले इलायची खाने से पेट में गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

प्राकृतिक डिटॉक्स एजेंटः इलायची शरीर में एक डिटॉक्सिफायर के रूप में काम करती है, जो मूत्रवर्धक गुणों के माध्यम से अशुद्धियों को बाहर निकालती है। इलायची का पानी किडनी को हेल्दी करता है और शरीर की प्राकृतिक डिटॉक्स प्रक्रियाओं को बेहतर बना सकता है।

मुंह की दुर्गंध दूर करेः इलायची चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होती है और यह खराब सांसों से भी लड़ता है।

अर्थराइटिस-माइग्रेन और पीरियड्स के दर्द में अदरक करता है पेनकिलर की तरह काम

आर्थराइटिस सर्दी खांसी, जुकाम, पेट दर्द, मोशन सिकनेस, जी मिचलाना और अपचन होने पर हम सबसे ज्यादा अदरक का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि अदरक दुनिया के तमाम दर्द निवारकों (पेन किलर्स) में से एक बेहतरीन दर्द निवारक ऑप्शन है।

इसकी वजह है इसमें पाए जाने वाले कमाल के फाइटोकेमिकल्स।

जिन्जेरॉल्स और शोगोल्स ऐसे नेचरल कंपाउंड्स हैं जिनके पाए जाने की वजह अदरक को खास बनाती है।

सिर दर्दः 20 ग्राम अदरक कुचलकर आप आधा कप रस अगर पी लें और कुचले हुए अदरक को माथे पर लेप की तरह लगा लें तो सिर दर्द गायब हो जाएगा। एक क्लिनिकल स्टडी बताती है कि माइग्रेन में आराम दिलाने वाली मेडीसिन ट्रिप्टान और अदरक का असर बिल्कुल एक जैसा है।

आर्थराइटिस : आर्थराइटिस से त्रस्त लोगों को भी इससे बहुत आराम मिलता है। आपको हाईडोज पेनकिलर भी नहीं खाना होगा और बिना साइडइफेक्ट्स के आप ठीक हो सकते हैं।

हेवी डोज ड्रग्स की वजह से पेट की भीतरी लाइनिंग के डैमेज को कम करने या उसे ठीक करने में अदरक के फाइटोकेमिकल्स कमाल का काम करते हैं।

हाई बीपी पर पाना चाहते हैं काबू, तो रोज पिएं गुड़हल की चाय, सेहत को मिलेंगे कई फायदे

गुड़हल जिसे अंग्रेजी में हिबिस्कस कहा जाता है, अपनी खूबसूरती और खुशबू के लिए जाना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गुड़हल का फूल आपकी सेहत के लिए कितना ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है? एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर गुड़हल की चाय को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बनाकर आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। जिन लोगों को अक्सर हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है, उन्हें गुड़हल की चाय जरूर पीनी चाहिए। गुड़हल की चाय में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व हाई बीपी को कम करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसके अलावा कोलेस्ट्रोल लेवल पर काबू पाने के लिए भी गुड़हल की चाय का सेवन करने की सलाह दी जाती है। आपको बता दें कि हिबिस्कस टी आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाए रखने में मददगार साबित हो सकती है। क्या आप जानते हैं कि डायबिटीज पेशेंट्स के लिए भी गुड़हल की चाय को काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है? हिबिस्कस टी शुगर को कंट्रोल करने के साथ-साथ आपकी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकती है। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए भी इस चाय का सेवन किया जा सकता है। इसके अलावा अगर आप थकान और तनाव को दूर करना चाहते हैं, तो भी गुड़हल की चाय पी सकते हैं। गुड़हल की चाय बनाने के लिए आपको दो बड़ी स्पून सूखी गुड़हल की पंखुड़ियां, चार कप पानी, शहद, पुदीने के पत्ते और नींबू के टुकड़े की जरूरत पड़ेगी।

सबसे पहले एक पैन में चार कप पानी को बॉइल करें। अब गैस बंद करके बॉइल्ड वॉटर में गुड़हल की पंखुड़ियों को एड करें। लगभग पांच से दस मिनट के बाद गुड़हल की पंखुड़ियों के इस पानी को छान लीजिए। गुड़हल की चाय में मिठास के लिए आप इसमें शहद मिक्स कर सकते हैं। चाय की गार्निशिंग के लिए आप पुदीने के पत्ते या फिर नींबू के टुकड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। आयुर्वेद और आधुनिक शोधों के अनुसार, गुड़हल में पाए जाने वाले प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में सहायक हो सकते हैं। नियमित रूप से संतुलित मात्रा में इसका सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को समर्थन मिल सकता है। हालांकि, इसे किसी भी बीमारी के उपचार का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। गुड़हल की चाय त्वचा और बालों के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी मानी जाती है। इसमें मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, जबकि कुछ अध्ययनों के अनुसार इसके पौष्टिक तत्व बालों की जड़ों को पोषण देने और उनकी गुणवत्ता बनाए रखने में भी सहायक हो सकते हैं।

आज शुरू होगा संसद का मानसून सत्र, नीट पेपर लीक, राम मंदिर और ई-20 पेट्रोल का मुद्दा उठा सकता है विपक्ष

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार (20 जुलाई) से हो रही है। इसके 13 अगस्त तक चलने की संभावना है। इस सत्र के पहले दिन विपक्ष नीट पेपर लीक, सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाने का मुद्दा उठा सकता है। सत्र के पहले दिन जमकर हंगामा होने के आसार हैं। वहीं, सरकार की कोशिश इस सत्र में परिसीमन और महिला आरक्षण बिल को पास कराने की होगी। विपक्ष का फोकस ई-20 पेट्रोल और राम मंदिर चंदा चोरी मामले पर भी होगा। सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि उन्होंने अपील की है कि सुबह जब संसद शुरू होगी तब विपक्ष हंगामा न करे। अगर उन्होंने हंगामा किया तो नुकसान होगा। संसद सत्र की शुरुआत से पहले सर्वदलीय बैठक हुई। यह बैठक रविवार शाम खत्म हुई। बैठक के बाद रिजिजू ने कहा, "अभी मीटिंग खत्म हुई है। यह लोकसभा स्पीकर की अध्यक्षता में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग थी। इसमें महत्वपूर्ण बिल सरकार की ओर से पेश किए गए हैं। विपक्ष के कुछ लोगों ने भी सुझाव दिए हैं।" सरकार ने कहा कि विपक्ष को सकारात्मक चर्चाओं की तलाश करनी चाहिए और चर्चा के लिए सूचीबद्ध आठ विधेयकों का समर्थन करना चाहिए। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) में फूट पड़ने के बाद एनडीए की ताकत बढ़ी है।

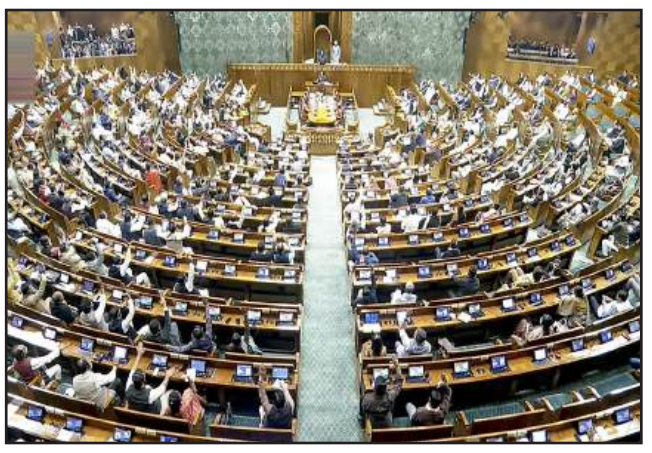

सोमवार को बाराबंकी को 542 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार (20 जुलाई) को बाराबंकी जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह जिले को 542 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 82 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री रामनगर और दरियाबाद विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री का मुख्य कार्यक्रम रामनगर स्थित लोधेश्वर महादेव मंदिर के पीछे बने प्रांगण में आयोजित होगा। यहां से वह दोनों विधानसभा क्षेत्रों की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामनगर विधानसभा क्षेत्र में 104 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 14 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे, जबकि 178 करोड़ रुपये से अधिक की 22 नई परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

वहीं दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र में 29 करोड़ रुपये से अधिक की 12 परियोजनाओं का लोकार्पण और 231 करोड़ रुपये से अधिक की 34 परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। इस प्रकार दोनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 82 परियोजनाओं पर काम शुरू होगा या उनका लोकार्पण किया जाएगा, जिनकी कुल लागत 542 करोड़ रुपये से अधिक है।

मुजफ्फरनगर में बारिश का कहर: कच्चा मकान ढहा, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में रविवार देर शाम हुई तेज बारिश से बड़ा हादसा हो गया। जिले के फुगाना थाना क्षेत्र के गांव हबीबपुर सीकरी में रात करीब 8 बजे भारी बारिश के बीच एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर पड़ा। हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के समय परिवार के कई सदस्य घर के अंदर मौजूद थे। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

स्थानीय लोगों ने मिलजुल कर तत्काल राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया। मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। इस बीच प्रशासन को घटना की सूचना मिली। प्रशासन का पूरा अमला घटनास्थल पर पहुंचा। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मलबे में दबने से मौत हो गई, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस और प्रशासन ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कॉकरोच जनता पार्टी को संसद मार्च की कोई अनुमति नहीं, निषेधाज्ञा लागू : डीसीपी सचिन शर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन करी रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को बड़ा झटका लगा है। 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के पास अनुमति न होने की बात कही है। नई दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा ने कहा कि 20 जुलाई को संसद तक कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कथित मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि बीएनएस की धारा 163 लागू है और विरोध प्रदर्शन केवल जंतर-मंतर के निर्धारित स्थल पर पूर्व अनुमति से ही किए जा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि सीजेपी द्वारा मार्च निकालने की अनुमति मांगने वाला कोई आवेदन दिल्ली पुलिस को प्राप्त नहीं हुआ है और न ही कोई अनुमति दी गई है।

उन्होंने कहा कि निषेधाज्ञा के तहत जंतर-मंतर स्थित निर्धारित विरोध स्थल को छोड़कर, पांच या अधिक व्यक्तियों का जमावड़ा, विरोध मार्च या प्रदर्शन पूरी तरह से निषिद्ध हैं। संसद सत्र भी कल से शुरू हो रहा है। इसलिए, जन सुरक्षा, संरक्षा और महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि आदेशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली पुलिस सभी नागरिकों से कानून का सम्मान करने, किसी भी अनधिकृत सभा या मार्च में भाग लेने से बचने और जन शांति और सुरक्षा बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि वे कानून का सम्मान करें।

सीजेपी ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च का ऐलान किया है। बीते दिन जंतर मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती करवा दिया था। इसके बाद अब सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके भूख हड़ताल पर हैं। सीजेपी कल यानी सोमवार को जंतर-मंतर से संसद का मार्च करने जा रही है, लेकिन दिल्ली पुलिस ने साफ कर दिया है कि सीजेपी को मार्च करने की अनुमति नहीं मिली है। इस बीच कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से कहा गया है कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा। संगठन के प्रतिनिधियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की बात कही और समर्थकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। हालांकि, पुलिस द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने के बाद संसद मार्च को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। दिल्ली पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की तैयारी की है। संसद सत्र शुरू होने के मद्देनजर संसद भवन, विजय चौक, जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, यातायात प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यदि कोई संगठन या समूह सार्वजनिक प्रदर्शन या रैली आयोजित करना चाहता है, तो उसे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होती है। अनुमति के बिना निकाले जाने वाले किसी भी मार्च या प्रदर्शन की स्थिति में कानून के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मानसून सत्र से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी दलों से मांगे जनहित के सुझाव

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले रविवार को लोकसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक हुई।

बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से जनहित से जुड़े मुद्दों पर सुझाव मांगे। बैठक के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया और उनसे उन मुद्दों पर अपने विचार रखने को कहा, जिन्हें वे सत्र के दौरान सदन में होने वाले कामकाज की सूची में शामिल कराना चाहते हैं। बैठक में सरकार और विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों ने मानसून सत्र में पेश किए जाने वाले विधायी और अन्य कार्यों को लेकर अपने विचार साझा किए।

बैठक में शामिल सदस्यों ने सत्र के दौरान चर्चा के लिए जनहित और राष्ट्रीय महत्व से जुड़े कई मुद्दे सुझाए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रचनात्मक चर्चा, सार्थक भागीदारी और संसद की उच्च परंपराओं का पालन करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने सभी दलों से सदन की कार्यवाही सुचारू और व्यवस्थित तरीके से चलाने के लिए पूरा सहयोग देने की अपील की, ताकि जनता से जुड़े मुद्दों पर व्यापक और सकारात्मक चर्चा हो सके।

समिति ने सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर ध्यान दिया। विभिन्न मुद्दों पर चर्चा का समय और कामकाज की सूची तय करने का निर्णय तय संसदीय प्रक्रियाओं के अनुसार और सरकार व राजनीतिक दलों के नेताओं से चर्चा के बाद लिया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ने विश्वास जताया कि सभी सदस्य मिलकर जनहित में मानसून सत्र को सफल और गरिमापूर्ण बनाने के लिए काम करेंगे।

इससे पहले एक अन्य घटनाक्रम में, आगामी मानसून सत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद भवन परिसर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक हुई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में SIT ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की स्टेटस रिपोर्ट, आज होगी सुनवाई

अयोध्या स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में उत्तर प्रदेश की एसआईटी ने अपनी सीलबंद रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दी है।

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आज एक बड़ा डेवलपमेंट हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने अपनी स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल कर दी है। यह रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल की गई है। अब इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच सोमवार को करेगी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाएं शीर्ष अदालत में दाखिल की गई हैं। इनकी सुनवाई भी सोमवार होगी। इसी दौरान एसआईटी भी अपनी रिपोर्ट दाखिल करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने 13 जुलाई को इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए गठित SIT को अदालत के सामने रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, ''कुछ रिट याचिकाओं में यह कहा गया है कि इस मामले में पहले ही कुछ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं और जांच के लिए एक SIT का गठन किया गया है। इसलिए हम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित SIT को निर्देश देते हैं कि वह अदालत में स्टेट्स रिपोर्ट प्रस्तुत करे।'' मामले के एक याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने इस मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने राम मंदिर के प्रबंधन का दायित्व संभाल रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन का CAG से ऑडिट कराने की भी मांग की है। वहीं याचिका दायर करने वाले अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने कहा है कि ट्रस्ट के कामकाज और प्रशासन से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं तथा अन्य कथित अवैध कृत्यों की जांच सीबीआई की अगुवाई में गठित एसआईटी से करानी चाहिए। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद सुधाकर सिंह की ओर से दायर तीसरी याचिका में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच कराने के साथ-साथ ट्रस्ट के पूरे वित्तीय लेनदेन का फोरेंसिक ऑडिट कराने का भी अनुरोध किया गया है। वहीं 'हिंदू धर्म परिषद' की ओर से दायर एक अन्य याचिका में भी शीर्ष अदालत की निगरानी में आरोपों की जांच कराने का अनुरोध किया गया है। चढ़ावा चोरी के मामले में पुलिस ने आठ नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

अहमदाबाद में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट की जांच के लिए एसआईटी गठित

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर पुलिस ने शहर के रामोल इलाके में हुए पटाखा कारखाने के विस्फोट की व्यापक जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। रविवार को जारी एक आदेश में, पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने कहा कि वस्त्राल में नहर के पास रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) शिविर के पीछे स्थित न्यू गुजरात फायर वर्क्स कारखाने में हुए विस्फोट के बाद रामोल पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले की गहन और पूरी तरह से जांच सुनिश्चित करने के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। आदेश के अनुसार, एसआईटी संयुक्त पुलिस आयुक्त (सेक्टर-2), जयपाल सिंह राठौर के पर्यवेक्षण में कार्य करेगा।

इसमें पुलिस उपायुक्त (जोन-8) मयूर पाटिल, सहायक पुलिस आयुक्त (दक्षिण प्रभाग) वाईए गोहिल, और रामोल पुलिस निरीक्षक वीडी मोरी शामिल हैं।

पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि जेसीपी (सेक्टर- 2) पूरी जांच की निगरानी करेंगे और 10 दिनों के भीतर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

आदेश में कहा गया है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष, तटस्थ और पारदर्शी तरीके से और कानून के प्रावधानों के अनुसार की जानी चाहिए।

यह भी निर्देश दिया गया है कि घटनास्थल से सभी भौतिक, वैज्ञानिक, दस्तावेजी और डिजिटल साक्ष्यों को उनकी संरक्षा श्रृंखला को बनाए रखते हुए एकत्र किया जाए।

जांच फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल), विस्फोटक विशेषज्ञों, विद्युत विशेषज्ञों, अग्निशमन विभाग, श्रम विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के समन्वय से की जाएगी।

जांच पूरी होने के बाद एसआईटी को निर्धारित समय सीमा के भीतर सक्षम न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। मुकदमे के दौरान, यह लोक अभियोजक के साथ समन्वय स्थापित करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी साक्ष्य, गवाह और दस्तावेज बिना किसी देरी के प्रस्तुत किए जाएं।

शनिवार को दोपहर करीब 3:45 बजे वस्त्राल के रामोल-गतराड रोड पर सर्वे नंबर 629/1/2/3 स्थित यूनिट में विस्फोट हुआ।

सफदरजंग अस्पताल में ही होगा सोनम वांगचुक का इलाज, पत्नी से मिलने की अनुमति, दिल्ली हाईकोर्ट ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से प्राइवेट हास्पिटल मेदांता में शिफ्ट करने की मांग फिलहाल दिल्ली हाईकोर्ट ने मंजूर करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सोनम वांगचुक का इलाज फिलहाल सफदरजंग अस्पताल में ही जारी रहेगा। वहीं सोनम वांगचुक के परिजनों को उनसे मिलने की इजाजत दी गई है। कोर्ट ने उनके परिजनों के लिए सफदरजंग अस्पताल में अलग रेस्ट रूम देने का निर्देश दिया है। वहीं कोर्ट ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के भीतर इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

इस मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि सोनम वांगचुक के हेल्थ कंडीशन को देखते हुए अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला पूरी तरह कानून के दायरे में लिया गया था। कोर्ट ने इस मामले में कोई अंतरिम आदेश पारित करने से भी मना कर दिया। वहीं सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि एंग्मो की ओर से प्राइवेट अस्पताल मेदांता में शिफ्ट करने की मांग पर भी फिलहाल कोई अंतरिम राहत नहीं दी गई। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद फिलहाल सोनम वांगचुक का इलाज सफदरजंग अस्पताल में ही जारी रहेगा। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड से साफ है कि वांगचुक के परिवार को अस्पताल में अलग कमरा भी दिया गया है, जिससे वे उनके साथ समय बिता पा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in